तापमान

अधिकतम 44.6 डिग्री
न्यूनतम 22.4 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 26 अप्रैल 2026

12 दो दिन से बूंद-बूंद पानी को तरसे दो वार्डों के लोग

12 करियर काउंसलिंग के साथ छात्रों को चरित्र निर्माण पर दिया जोर

खबर संक्षेप

नहर में छलांग लगा महिला ने की जीवनलीला समाप्त

तरावड़ी। तरावड़ी की रहने वाली एक महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में नहर में छलांग लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। शुक्रवार को महिला का शव कर्ण लेक नहर में तैरता हुआ मिला। जिसके बाद तुरन्त गोताखोर ने शव को बाहर निकाला और पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस भिजवा दिया है। जानकारी के मुताबिक तरावड़ी की रहने वाली कोमल रानी की 22 साल पहले तरावड़ी के ही रहने वाले अनिल कुमार नाम के एक व्यक्ति से हुई थी। कल महिला किसी काम से घर से सामान लेने के लिए बाहर गई थी, लेकिन काफी समय बितने के बाद भी वह घर नहीं पहुंची, जिसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरु कर दी।

मास्टरमाइंड काबू, रिटायर्ड फौजी से 35 लाख हड़पे

कुरुक्षेत्र। निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले नेटवर्क पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कंपनी के एक अहम लीडर को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि इस नेटवर्क ने 100 से अधिक लोगों को झांसे में लेकर करीब 100 करोड़ रुपये की ठगी की। लोगों को जोड़ने के लिए कंपनी ने बॉलीवुड अभिनेता अरबाज खान से भी प्रमोशनल इवेंट करवाया था। सेक्टर 27 सोनीपत निवासी आरोपी रामनिवास का काम लोगों को स्कीम समझाकर कंपनी से जोड़ना था। निवेशकों को हर महीने 4 से 5 प्रतिशत तक रिटर्न का लालच दिया गया।

एचसीएस परीक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम

कुरुक्षेत्र। अतिरिक्त उपायुक्त एवं एचसीएस परीक्षा के नोडल अधिकारी विवेक आर्य ने कहा कि एचपीएससी की परीक्षा को लेकर प्रशासन की तरफ से सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए है। इस परीक्षा के लिए सभी सेंटर पर सीसीटीवी कैमरों की नजर रहेगी और केन्द्र के आस पास पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल तैनात किया जाएगा। इतना ही नहीं एचसीएस परीक्षा के मद्देनजर डायल 112 को कंट्रोल रूम के रूप में प्रयोग किया जाएगा। परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र के संबंध में जानकारी के लिए कंट्रोल रूम नंबर 112 पर संपर्क कर सकते हैं। जिला में 26 अप्रैल को आयोजित होने वाली एचसीएस की परीक्षा के लिए 26 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

चेक पर फर्जी साइन कर निकलवाई नकदी

कुरुक्षेत्र। पिहोवा में बैंक के अंदर एक महिला उपभोक्ता के फर्जी साइन करके अकाउंट से पैसे निकलवाने का मामला सामने आया है। बैंक में हुई घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। धूलगढ़ गांव की रहने वाली नैसी देवी के मुताबिक, उसका पिहोवा के सरकारी बैंक की शाखा में अकाउंट है। 17 अप्रैल को उसे पैसे की जरूरत आ गई। इसलिए उसने गांव से अपनी बैंक शाखा में आकर 22 हजार रुपए अपने अकाउंट से निकाल लिए। पैसे लेकर वह अपने घर लौट आई। अगले दिन उसके अकाउंट से 18 हजार रुपए कैश हो गए, जबकि उसने कोई रकम कैश नहीं करवाई। इसका मैसेज उसके मोबाइल पर आया, जिसे देखकर वह तुरंत अपने पति टेक चंद को साथ अपनी बैंक शाखा पहुंची।

9.20 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार

अंबाला। थाना शहजादपुर पुलिस ने नशा तस्करी के मामले में एक सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए एक आरोपी को 9.20 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) सहित गिरफ्तार किया है। जांच टीम ने पुराने बस स्टैंड के पास नाकाबंदी की थी। इसी दौरान संदिग्ध अवस्था में घूम रहे एक युवक को काबू किया गया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 9.20 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

सिरसा सांसद सैलजा को करारा झटका

विधायक समर्थक पर जताया भरोसा

पार्टी ने नामांकन से तीन घंटे पहले समर्थक उम्मीदवार का टिकट बदला

टिकट बदले जाने से पहले शुरू कर चुके थे उम्मीदवार प्रचार, प्रचार सामग्री छपने के साथ लग चुके थे होर्डिंग, ऐन समय पर टिकट कटने पर अब आजाद उम्मीदवार के तौर पर लड़ेंगे चुनाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

नगर निगम चुनाव में नामांकन को लेकर शनिवार को आखिरी दिन कांग्रेस ने प्रक्रिया खत्म होने से तीन घंटे पहले वार्ड नंबर 19 से उम्मीदवार सचिन पुनिया का टिकट बदल दिया। टिकट बदलने के साथ ही सचिन पुनिया ने आजाद उम्मीदवार के तौर पर नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। सिरसा सांसद कुमारी सैलजा के कोटे से उम्मीदवार बने सचिन पुनिया की जगह अब पार्टी ने विधायक निर्मल सिंह के करीबी को को नया प्रत्याशी घोषित कर दिया है। 21 अप्रैल को कांग्रेस ने नगर निगम के सभी 20 वार्डों से प्रत्याशियों की लिस्ट जारी की थी। इसमें वार्ड-19 से सचिन पुनिया को टिकट मिला था। टिकट मिलने के बाद पुनिया प्रचार में जुट गए थे। पंफलेट और प्रचार सामग्री भी छप गई थी। 25 अप्रैल को आखिरी दिन सचिन पुनिया नामांकन दाखिल करने जा रहे थे।

नामांकन करने की अवधि खत्म होने से 3 घंटे पहले कांग्रेस ने सचिन पुनिया की जगह एडवोकेट पुनीत कवि को प्रत्याशी घोषित कर दिया। बता दें कि यह वार्ड सामान्य उम्मीदवार के लिए आरक्षित है। मगर रिजर्व कैटेगरी से ताल्लुक रखने वाले एडवोकेट पुनीत कवि यहां से तैयारी कर रहे थे। पर इस बार कांग्रेस की ओर से जारी उम्मीदवारी की सूची में उसका नाम शामिल नहीं था। तब निराश होकर पुनीत ने आजाद उम्मीदवार के तौर पर नामांकन पत्र दाखिल करने का ऐलान कर दिया था। पुनीत की बगावत काम आई। आखिरी समय में कांग्रेस ने सचिन पुनिया की जगह पुनीत कवि को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया। यह भी बताना जरुरी है कि एडवोकेट पुनीत कवि पिछली बार भी ओपन वार्ड से चुनाव लड़े थे। तब उन्हें भाजपा के शोभा सिंह पुनिया से हार का सामना करना पड़ा था।

पूर्व निगम सदस्य सोनिया चौधरी आजाद तौर पर लड़ेंगी मेयर चुनाव, आखिरी दिन 37 उम्मीदवारों ने दाखिल किए नामांकन पत्र

अंबाला। अंतिम दिन नामांकन प दाखिल करवाते प्रत्याशी। फोटो : हरिभूमि

चौधरी भी उतरी मैदान में

नगर निगम चुनाव में अब मेयर पद के लिए आजाद प्रत्याशी के तौर पर पूर्व निगम सदस्य सोनिया चौधरी भी मैदान में कूद गई हैं। आखिरी दिन शनिवार को सोनिया चौधरी के अलावा सदस्य पद के लिए 37 उम्मीदवारों ने भी नामांकन पत्र दाखिल किया। रिटर्निंग अधिकारी एवं अतिरिक्त उपायुक्त विराट ने बताया कि नामांकन पत्र दाखिल करने को लेकर सभी वार्डों के मुताबिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाकर इस प्रक्रिया को किया गया है। उन्होंने बताया कि नगर निगम चुनाव में मेयर पद के लिए शनिवार को आजाद उम्मीदवार के तौर पर सोनिया रानी ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। सदस्य पद के लिए कांग्रेस से वार्ड नंबर 2 से राजविंद्र कौर, वार्ड नंबर 3 से संजीव शर्मा, वार्ड नंबर 5 से अमनप्रीत सिंह उप्पल, वार्ड

नंबर 10 से राजिंद्र कौर , वार्ड नंबर 11 से अनुराधा, वार्ड नंबर 13 से प्रदीप कुमार, वार्ड नंबर 15 से भूपिंद्र सिंह, वार्ड नंबर 16 से रविंद्र कुमार, वार्ड नंबर 18 हरमिंद्र सिंह, वार्ड नंबर 19 से पुनित कवि , वार्ड नंबर 20 से मंजीत देवी ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। इसी प्रकार आम आदमी पार्टी की ओर से वार्ड नंबर 4 से सुखविंद्र सिंह, वार्ड नंबर 10 से कमलप्रीत सिंह लाड़ी, वार्ड नंबर 17 से जतिन कुमार, वार्ड नंबर 18 से मनजीत राय ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। आजाद उम्मीदवार के तौर पर वार्ड नंबर 1 से रणजीत कुमार , वार्ड नंबर 1 से गुरमेल राम , वार्ड नंबर 2 से संध्या, वार्ड नंबर 3 से विकास शर्मा, वार्ड नंबर 3 से विजय कुमार, वार्ड नंबर 9 से दीपांशी , वार्ड नंबर 10 से प्रवीण , वार्ड नंबर 13 से मंगल सिंह, वार्ड नंबर 13 से शबनम , वार्ड नंबर 15 से कृष्ण कुमार, वार्ड नंबर 15 से मनोज कुमार, वार्ड नंबर 16 से हरबीर सिंह, वार्ड नंबर 16 से विजय कुमार ने, वार्ड नंबर 16 से पुष्पिन्द्र कुमार , वार्ड नंबर 18 से असीम अग्रवाल, वार्ड नंबर 18 से प्रेम भाटिया, वार्ड नंबर 18 से दलजीत सिंह भाटिया, वार्ड नंबर 19 से सचिन पुनिया ने नामांकन पत्र दाखिल किया है।

हजारों की हेरोइन के साथ एक नशा तस्कर गिरफ्तार

यमुनानगर। एंटी नारकोटिक्स सेल द्वारा गिरफ्तार किया गया नशातस्कर।

- पुलिस ने आरोपी से बरामद की 50 ग्राम हेरोइन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने हजारों रुपये की हेरोइन के साथ एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। पुलिस ने आरोपी से 50 ग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे अदालत में पेश कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के मुताबिक एंटी नारकोटिक्स सेल के प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि उनकी टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि तेजली क्षेत्र के पास एक युवक संदिग्ध हालत में कोई नशीला पदार्थ लिए घूम रहा है। सूचना मिलते ही सेल की टीम ने दबिश देकर संदिग्ध हालत में घूम रहे आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया। इस दौरान आरोपी की तलाशी ली गई तो उसके पास 50 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी की पहचान दुर्गा गार्डन निवासी प्रयाग वर्मा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे अदालत में पेश कर रिमांड पर ले लिया। मामले की जांच कर रहे नारकोटिक्स सेल के प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि पूछताछ में पता चला है कि आरोपी पर पहले भी नशातस्करी के मामले चल रहे हैं।

महिला ने युवक पर लगाया शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप

- पुलिस ने आरोपी के खिलाफ किया दुष्कर्म का मामला दर्ज

यमुनानगर। महिला के साथ शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक शहर की एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि कांसापुर मार्ग निवासी सन्नी के साथ उसकी जान पहचान थी। इसी जान पहचान होने के कारण एक दिन सन्नी ने उसे शादी करने की बात कही। जिससे वह उसकी बातों में आ गई। इसी बीच गत 15 फरवरी को सन्नी ने उसे मिलने के लिए बुलाया। आरोप है कि इस दौरान सन्नी ने उसे बहला फुसलाकर उसके साथ यौन संबंध बना लिए। महिला ने शिकायत में बताया कि उसने सन्नी से शादी करने के लिए कहा तो वह टाल मटोल करने लगा। जब उसने आरोपी पर शादी करने का दबाव बनाया तो उसने उसे शादी करने से मना कर दिया और किसी को इस बारे में बताने पर जान से मारने की धमकी दी। परेशान होकर उसने आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत कर दी। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी सन्नी के खिलाफ दुष्कर्म करने समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

विदेश में संदिग्ध हालात में युवक की मौत, 40 दिन बाद करनाल पहुंचा शव

- परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, मामले की गहन जांच और आर्थिक मदद की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

बसंत विहार निवासी 20 वर्षीय युवक देव पुंडीर की विदेश में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। करीब 40 दिन बाद शनिवार को उसका पार्थिव शरीर करनाल पहुंचा, जिसके बाद परिजनों और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। अंतिम संस्कार ऋषिपुर में किया गया। परिवार के अनुसार देव पुंडीर 16 मार्च को टूरिस्ट वीजा पर गया था, जहां उसे डंकी के रास्ते विदेश भेजा गया। चार दिन बाद ही उसकी मौत की सूचना व्हाट्सएप के माध्यम से मिली। परिजनों का कहना है कि उस समय तक देव पूरी तरह स्वस्थ था और सोने की तैयारी कर रहा था।

परिजनों ने जताई अनहोनी की आशंका

मृतक के परिजनों ने घटना को संदिग्ध बताते हुए गहन जांच की मांग की है। उनका कहना है कि केवल गिरने से मौत होना समझ से परे है। परिवार ने पूरे मामले की सच्चाई सामने लाने की मांग की है। इस घटना के बाद परिजन गहरे सदमे में हैं और घर में मातम का माहौल है।

आर्थिक स्थिति कमजोर, सरकार से मदद की गुहार

देव के पिता इलेक्ट्रॉनिक्स का काम करते हैं, जबकि मां सिलाई कर परिवार का पालन-पोषण करती हैं। बेटे को विदेश भेजने के लिए परिवार ने चार से पांच लाख रुपये खर्च किए थे। अब बेटे की मौत के बाद परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा है और सरकार से आर्थिक सहायता की अपील की है।

प्रयासों के बाद भारत पहुंचा शव

परिजनों ने बताया कि मामले को लेकर सांसद और अन्य जनप्रतिनिधियों से संपर्क किया गया। प्रशासनिक प्रयासों के बाद शव को भारत लाया जा सका। इसके बाद परिजनों ने अंतिम दर्शन कर ऋषिपुर में अंतिम संस्कार किया।

रो-रोकर बेहाल परिवार, क्षेत्र में शोक

शनिवार को जैसे ही पार्थिव शरीर घर पहुंचा, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। अंतिम संस्कार के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल बना रहा।

खाद व्यापारियों का विरोध तेज, 27 को प्रदेश में हड़ताल

- जबरन टैगिंग और कम मार्जिन के खिलाफ एसोसिएशन सख्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

जिला करनाल फर्टिलाइजर, पैस्टीसाइज एवं सीड ट्रेडर्ज एसोसिएशन की बैठक नई अनाजमंडी स्थित कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के प्रधान रामकुमार गुप्ता ने की।

बैठक में खाद कंपनियों और थोक विक्रेताओं द्वारा यूरिया और डीएपी के साथ जबरन अवांछनीय कृषि उत्पाद दुकानदारों पर थोपे जाने का कड़ा विरोध किया गया। प्रधान रामकुमार गुप्ता ने कहा कि जबरन टैगिंग के कारण दुकानदारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है और सीलबंद दवाइयों के सैंपल फेल होने पर भी दुकानदार को ही प्रथम पक्ष बनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर एसोसिएशन कई बार सरकार और उच्च अधिकारियों के समक्ष विरोध दर्ज करवा चुकी है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ है। ऐसे में एसोसिएशन ने 27 अप्रैल को पूरे हरियाणा में एक दिन की सांकेतिक हड़ताल का निर्णय लिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इसके बाद भी समाधान नहीं हुआ तो अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी।

रामकुमार गुप्ता ने बताया कि मांगों का ज्ञापन प्रधानमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री को भेजा जाएगा। उन्होंने उत्तर प्रदेश की तर्ज पर अनुदानित उर्वरक के साथ गैर अनुदानित उत्पादों की बाध्यता समाप्त करने, खाद की डिलीवरी डीलर के बिक्री केंद्र तक सुनिश्चित करने तथा डीलर मार्जिन को बढ़ाकर कम से कम 8 प्रतिशत करने की मांग रखी।

नीलोखेड़ी प्रधान देवेंद्र चौहान और पूर्व प्रधान राधेश्याम राणा ने साथी पोर्टल को ग्रामीण खुदरा विक्रेताओं के लिए वैकल्पिक बनाने और इसकी अनिवार्यता केवल निर्माताओं व थोक विक्रेताओं तक सीमित रखने की मांग उठाई।

ये रहे मौजूद

बैठक में राधेश्याम राणा, देवेंद्र चौहान, पवन अग्रवाल, महेंद्र गोयल, विनोद गोयल, विकास बंसल, रमन कांबोज, गोपीचंद आर्य, कुलदीप बागर, बृजलाल गर्ग, विनोद कुमार बंसल व कपिल सिंगला आदि मौजूद रहे।

रेप के केस में जांचाधिकारी की विभागीय जांच के आदेश

- एफएसएल की रिपोर्ट अपनी मर्जी से जयपुर से बनवाई थी, पीड़िता को मिलेगा चार लाख का मुआवजा, आरोपी को छह माह के प्रोबेशन पीरियड पर रिहा किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने विगत 2024 के महिला थाने से संबंधित एक मामले में आरोपी को छह महीने के प्रोबेशन पीरियड पर छोडऩे के आदेश दिए हैं, वहीं पीड़िता को चार लाख रुपए का मुआवजा भी एफड़ी के रूप में देने को कहा है जो उसे 18 साल की आयु के बाद में प्राप्त होंगे। इस केस में आरोपी को 7 महीने 20 दिन बाल सुधार केंद्र में भी रखा गया था। यही नहीं इस केस में एफएसएल की रिपोर्ट अपनी मर्जी से जयपुर से बनवाने को लेकर भी संबंधित आईओ के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही करने की अनुशंसा के आदेश जारी किए गए हैं। उक्त मामला विगत 12 फरवरी 2024 का महिला थाने से संबंधित था जिसमें एक 15 साल की युवती के साथ उन्हीं के रिश्तेदार ने दुष्कर्म किया था। इस केस में संबंधित आईओ द्वारा जब मधुबन में एफएसएल की रिपोर्ट को जमा करवाया गया तो मधुबन लैब की ओर से इस रिपोर्ट को लेने से मना कर दिया और कहा कि इस रिपोर्ट को जमा करवाने में देरी हो चुकी है जिसका डीएनए टेस्ट नहीं किया जा सकता। उक्त आईओ ने अपनी मर्जी से बिना अनुमति के जयपुर से उस एफएसएल की रिपोर्ट को तैयार करवाया जो की अनुपयोगी रही। इसी को लेकर जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट पुनीत लिंबा ने उक्त आईओ के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही करने के आदेश जारी किए हैं।

अनुशासन से ही जीवन में उन्नति के शिखर पर पहुंचा जा सकता है

किशोर अवस्था में दिल से नहीं, दिमाग से लें निर्णय: राज्यपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

किशोर अवस्था जीवन का सबसे महत्त्वपूर्ण दौर होता है क्योंकि आपके भविष्य निर्माण का आधार इसी नींव पर टिका होता है। इस उम्र में बदलते हॉर्मोन्स के कारण शरीर में अनेक बदलाव होते है, अधिकांश छात्र इस दौरान दिल से निर्णय लेते हैं जो उनके भविष्य के लिए गलत साबित होते है, इस उम्र में दिल से नहीं बल्कि दिमाग से अपने माता-पिता से विमर्श के बाद ही कोई निर्णय लेना चाहिए, यही आपके हित में होगा। उक्त शब्द राज्यपाल गुजरात आचार्य देवव्रत ने गुरुकुल कुरुक्षेत्र में विशेष कार्यक्रम में छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि माता-पिता और गुरु ही इस संसार में ऐसे व्यक्तित्व जो अपने

कुरुक्षेत्र। छात्रों को संबोधित करते गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत।

बच्चों को हमेशा आगे बढ़ते हुए देखना चाहते हैं। इस अवसर पर प्रधान राजकुमार गर्ग, निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा, व्यवस्थापक रामनिवास आर्य, मुख्य संरक्षक संजीव आर्य सहित सभी अध्यापक एवं संरक्षकवृन्द उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पहुंचने पर राज्यपालश्री का गुरुकुल के नन्हें ब्रह्मचारियों द्वारा पुष्प-कलियां देकर भव्य अभिनन्दन किया गया। आचार्यश्री ने छात्रों को जीवन में सफलता के मूलमंत्र देते हुए कहा कि संस्कार, अनुशासन और कठिन परिश्रम से ही जीवन में उन्नति के शिखर पर पहुंचा जा सकता है।

नैतिक जीवन मूल्यों को धारण करें

विद्यार्थियों को एक अनुशासित दिनचर्या के तहत नैतिक जीवन मूल्यों को जीवन में धारण कर कठिन परिश्रम करना चाहिए जिससे उसके कुल और गुरुओं का मान-सम्मान समाज में ऊंचा रहे। उन्होंने कहा कि सभी के प्रति ऐसा व्यवहार करना चाहिए जिससे दूसरां को दुःख न पहुंचे, हमारे देश, समाज के प्रति क्या दायित्व है, उनका भी निर्वहन करना चाहिए। कभी भी हीन भावना का शिकार न हों और स्वयं ही अपने भाग्य के निमार्ता बनें। अपने गुरुजनों का आज्ञापालन करें, माता-पिता और बड़ों को सम्मान करें और पढ़ाई के दौरान अपने लक्ष्य को हमेशा याद रखें। स्वामी श्रद्धानन्द का उदाहरण देकर राज्यपालश्री ने कहा कि सभी के जीवन में कमियां हो सकती है मगर यदि दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्प हो तो उन कमियों को दूर कर अनेकों में एक बनने का महान कार्य भी संभव है। निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार ने राज्यपालश्री का आभार व्यक्त करते हुए छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस बार 10वीं की सीबीएसई परीक्षाओं में गुरुकुल के 49 छात्रों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये हैं और सभी छात्र मैरिट से उत्तीर्ण हुए। खेल गतिविधियों पर उन्होंने कहा कि गुरुकुल में अब ऑचेर्री और लॉन टेनिस, चैस जैसे खेलों को भी आरम्भ कर दिया गया है ताकि एक-एक बच्चे की खेलों में प्रतिभागिता सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि आगामी वर्षों में गुरुकुल के छात्र शैक्षणिक सहित सभी क्षेत्रों में और बेहतर प्रदर्शन करें, ऐसा हम सभी का प्रयास रहेगा।

कच्चे कर्मचारियों की मांगों को लेकर प्रदर्शन जारी

करनाल। नगरपालिका कर्मचारी संघ ने कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की मांग को लेकर दूसरे दिन भी झाड़ू उठाओ प्रदर्शन जारी रखा। नगर निगम कार्यालय के सामने दो घंटे बैठक के बाद कर्मचारी सड़कों पर उतर आए और नारेबाजी की।

इकाई प्रधान राजकुमार के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में महिलाओं ने हाथों में झाड़ू लेकर विरोध जताया।

राजकुमार ने कहा कि दमकल कर्मचारी 8 अप्रैल से हड़ताल पर हैं और फरीदाबाद अग्निकांड में मारे गए कर्मचारियों को शहीद का दर्जा देने तथा उनके परिवारों को आर्थिक सहायता देने की मांग की जा रही है। उन्होंने कहा कि 2 मई को राज्यव्यापी हड़ताल की जाएगी।

इस मौके पर संगठन सचिव बिंदर चौहान, उपप्रधान धर्मवीर सरोय, वरिष्ठ उपप्रधान विनोद प्रोचा, सह सचिव नरेश अठवाल, इकाई उपप्रधान महावीर, राज्य उपप्रधान राजिंदर, सह सचिव महेंदर, महिला उपप्रधान सरोज, लक्ष्मी, मुकेश, मीना, अमित आदि मौजूद रहे।

जनसंवाद के जरिए समस्याओं का त्वरित समाधान : जगमोहन

कैंप कार्यालय में लोगों से मिले, अधिकारियों को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

■ जनता से सीधा संवाद मात्र औपचारिकता नहीं, बल्कि जनसेवा का सशक्त माध्यम

विधायक जगमोहन आनंद ने शनिवार प्रातः सेक्टर-13 स्थित अपने कैंप कार्यालय में करनाल विधानसभा क्षेत्र के लोगों से आत्मीय मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से मोबाइल पर बातचीत कर समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विधायक ने कहा कि जनता से सीधा संवाद उनके लिए मात्र औपचारिकता नहीं, बल्कि जनसेवा का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार से सीधे जुड़कर ही समस्याओं का समाधान धरातल पर सुनिश्चित किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में "सेवा ही संगठन, संगठन ही शक्ति" के मंत्र को अपनाते हुए वे करनाल के प्रत्येक परिवार के सुख-दुख में सहभागी बनकर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास, स्नेह और सहयोग ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है और "मेरा करनाल, मेरा परिवार" के संकल्प को साकार करने के लिए वे प्रतिबद्ध हैं।

करनाल। सेक्टर-13 स्थित अपने कैंप कार्यालय में हलकावासियों की समस्याएं सुनते विधायक जगमोहन आनंद।

जनकल्याणकारी योजनाओं एवं नीतियों की जानकारी दी

इंद्री। विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हीप रामकुमार कश्यप ने इंद्री के गांव गढ़ी जाटान, भादसौ तथा नौरता में शक्ति केंद्र प्रमुख व अन्य कार्यकर्ताओं के साथ शक्ति केंद्र सशक्तिकरण के साथ संगठन सुदृढ़ीकरण एवं आगामी योजनाओं के लिए विचार विमर्श किया गया। विधायक ने कहा कि शक्ति केंद्र, बूथ तथा मंडल की मजबूत संरचना भाजपा की त्रिशक्ति है। बूथ तथा मंडल के बीच शक्ति केंद्र सेतु का काम करता है । मजबूत शक्ति केंद्र से मजबूत बूथ तैयार होंगे और हर बूथ पर संगठन की मजबूती से विजय की नींव तैयार होगी। इस मौके पर विधायक ने सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं नीतियों की विस्तृत जानकारी दी।

दवा प्रतिनिधि संघ की नई टीम घोषित, संजीत मिश्रा बने प्रधान

करनाल। दवा प्रतिनिधि संघ की बैठक के दौरान पुनगर्ठन करते हुए।

■ 250 से अधिक प्रतिनिधियों की मौजूदगी में हुआ पुनर्गठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

हरियाणा दवा प्रतिनिधि संघ की करनाल इकाई का पुनर्गठन प्रदेश महासचिव आदित्य रावत और वरिष्ठ कॉमरेड गुरु प्रसाद के मार्गदर्शन में किया गया। बैठक में 250 से अधिक दवा प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सर्वसम्मति से संजीत मिश्रा को प्रधान बनाया गया। इसके अलावा मोहित गनोत्रा महासचिव, सचिन सेठ कोषाध्यक्ष, विनोद प्रजापति व अमित भाटिया उपप्रधान, अंकुर भोरिया सह कोषाध्यक्ष, प्रवेश तोमर व कमलकांत संयुक्त सचिव, जयप्रकाश कोर्डिनेटर, गीतेश व अभिषेक ओहरी कार्यालय अधिकारी, धीरज शर्मा मीडिया कोर्डिनेटर, प्रवीण चावला व कमल गर्ग ईसी हेड बनाए गए। साथ ही 10 ईसी सदस्य भी बनाए गए।

प्रदेश महासचिव आदित्य रावत और वरिष्ठ कॉमरेड गुरु प्रसाद ने नई कार्यकारिणी को बधाई दी। नवनियुक्त प्रधान संजीत मिश्रा ने संगठन को और मजबूत करने का भरोसा जताया।

महिला सम्मान पर कांग्रेस ने भाजपा पर जड़े आरोप

■ जीतराम कश्यप बोले— महिला आरक्षण पर भ्रम फैला रही है सरकार

करनाल। हरियाणा कांग्रेस ओबीसी सैल के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष जीतराम कश्यप ने भाजपा सरकार पर महिला आरक्षण को लेकर झूठा प्रचार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा महिलाओं के सम्मान के पक्ष में रही है और इंदिरा गांधी के रूप में देश को पहली महिला प्रधानमंत्री भी कांग्रेस ने ही दी थी। उन्होंने कहा कि 2023 में संसद में पारित महिला आरक्षण बिल को अब तक लागू नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देशभर में महिला पोस्टकार्ड अभियान चला रही है, जिसके माध्यम से महिलाओं की आवाज संसद तक पहुंचाई जाएगी।

भारतीय ज्ञान परंपरा पर छात्रों को मिला मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

पंडित चिरंजी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय करनाल में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर एक विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य व्याख्याता डॉ. संजीव कुमार, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, राजनीति शास्त्र, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रेखा त्यागी ने की।

डॉ. संजीव कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है और इसकी ज्ञान परंपरा वेद, उपनिषद, दर्शन और श्रीमद्भागवत से होकर वर्तमान तक पहुंची है। उन्होंने कहा कि ज्ञान प्राप्ति के लिए जिज्ञासा आवश्यक है और सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती।

प्राचार्या डॉ. रेखा त्यागी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को ज्ञान परंपरा को समझने और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में डॉ. नवीन बत्रा ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर डॉ. सुनीता चौपड़ा, डॉ. प्रवीण वत्स, डॉ. रणजीत सिंह, डॉ. गुरचरण सिंह, डॉ. सुनील दत्त सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

क्लस्टर कोऑर्डिनेटर ने किया स्कूलों का निरीक्षण

■ निरीक्षण के दौरान अध्यापकों को समर्पित भाव से काम करने की प्रेरणा दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इंद्री

क्लस्टर कोऑर्डिनेटर इंद्री प्रिंसिपल करनैल चंद ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खेड़ा, प्राथमिक पाठशाला खेड़ा, प्ले स्कूल, शहीद सोमनाथ कंबोज लाइब्रेरी का निरीक्षण करके अध्यापकों को समर्पित भाव से काम करने की प्रेरणा दी। स्कूल स्टाफ से बात करते हुए कहा डॉ. करनैल चंद ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों के कल्याण हेतु चलाई जा रही सभी योजनाओं का लाभ बच्चों तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। सुपर 100, बुनियाद योजना व निपुण हरियाणा कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को जोडक़र उनके सर्वांगीण विकास के लिए कार्य योजना तैयार करके उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करें। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता एवं पर्यावरण मित्र मास्टर महिंद्र कुमार ने स्कूल व लाइब्रेरी के सौंदर्यकरण के लिए चलाए जा रहे हैं प्रयासों पर प्रकाश डाला। एबीआरसी शैलजा गुप्ता ने बच्चों के शैक्षिक आकलन की रिपोर्ट पेश की। प्रिंसिपल डॉ.करनैल चंद ने स्कूल में मिड डे मील, पानी, तथा शौचालय व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर प्रिंसिपल सुमन वर्मा, मुख्य शिक्षिका सुमन, प्राध्यापक सतीश कांबोज, चरणजीत सिंह, कविता,भारती अनीता देवी व सुनील अलाहर आदि उपस्थित रहे।

इंद्री। प्ले स्कूल खेड़ा में महिलाओं से बात करते प्रिंसिपल करनैल चंद ।

न्यूज डायरी

सीपीआई कार्यशाला में जनसंगठनों को मजबूत करने पर जोर

करनाल। एम कॉलोनी स्थित पीसी जोशी भवन में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की राज्य कौंसिल सदस्यों की दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता आरएन सिंह ने की तथा वरिष्ठ नेता कामरेड लक्ष्मण सिंह शेखावत ने उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों को समझकर जनता को जागरूक करना आवश्यक है। दूसरे सत्र में राज्य सचिव दरियाव सिंह कश्यप ने विभिन्न जनसंगठनों के इतिहास और भूमिका पर प्रकाश डाला। अंतिम सत्र में कामरेड अश्वनी कुमार बक्शी एडवोकेट ने वर्तमान हालात और पार्टी की भूमिका पर विचार रखे। कार्यशाला में धर्मपाल सिंह चौहान, जिले सिंह पाल, डॉ. सुखदेव सिंह जम्मू, तिलक राज विनायक, राम रतन एडवोकेट, मनीराम बेलरखा, पवन कुमार सैनी एडवोकेट, एमसी बासिया, सतपाल सरोवा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्रद्धा के जयकारों के बीच रवाना हुई निःशुल्क धार्मिक यात्रा

करनाल। श्री श्याम बालाजी दर्शन सेवा समिति की ओर से शनिवार को दो दिवसीय निशुल्क धार्मिक बस यात्रा का शुभारंभ किया गया। यात्रा करनाल से रवाना हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समिति के अध्यक्ष प्रमोद मंगला ने विधिवत पूजा-अर्चना कर नारियल फोड़कर बस को रवाना किया। बस के रवाना होते ही "जय श्री श्याम" के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस यात्रा के अंतर्गत श्रद्धालु अग्रोहा धाम, सालासर बालाजी मंदिर, लक्ष्मी माता मंदिर और खाटू श्याम धाम के दर्शन करेंगे। समिति के अध्यक्ष प्रमोद मंगला ने बताया कि संस्था पिछले कई वर्षों से निःस्वार्थ भाव से धार्मिक यात्राओं का आयोजन कर रही है। इस अवसर पर मुख्य सेवक विकास गर्ग, संजीव मित्तल, योगेन्द्र शर्मा, अनिल मित्तल, जतिन, विपिन गुप्ता, टीना, राजेंद्र केम, सुनीता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अग्रसेन भवन में आज मेगा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

करनाल। अग्रकुल सेवा संस्था द्वारा 26 अप्रैल को सेक्टर-8 स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में मेगा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर सुबह 10 बजे शुरू होगा। इस शिविर में डॉ. समर्थ मित्तल (स्पाइन एवं हड्डी रोग), डॉ. आशीष अग्रवाल (हृदय रोग), डॉ. अंकुर जैन (पेट व आंत रोग) और डॉ. सरिता कुमारी (स्त्री रोग एवं कैंसर) मरीजों की जांच करेंगे। संस्था के प्रधान विनोद गुप्ता ने बताया कि शिविर में ब्लड प्रेशर, ईसीजी, ब्लड शुगर, बीएमडी, मेमोग्राफी टेस्ट व फाइब्रो स्कैन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। लगभग 250 लोग पहले ही पंजीकरण करवा चुके हैं और 500 से अधिक लोगों के लाभान्वित होने की संभावना है। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक जगमोहन आनंद और मेयर रेणु बाला गुप्ता शिरकत करेंगे। बैठक में प्रधान विनोद गुप्ता, महासचिव नरेश गर्ग, कोषाध्यक्ष दीपक गुप्ता, प्रोजेक्ट डायरेक्टर रामकुमार गुप्ता व पूर्व प्रधान डॉ. एसके गोयल आदि मौजूद रहे।

जिला परिषद उपचुनावः वार्ड-10 में पांच प्रत्याशी मैदान में

करनाल। जिला परिषद के वार्ड-10 के उपचुनाव में नामांकन के अंतिम दिन उम्मीदवार अक्षय ने अपना पर्चा दाखिल किया। इसके साथ ही इस वार्ड में अब गुरमीत सिंह, बंसीलाल, सुलिंद्र कुमार, पाल सिंह और अक्षय सहित कुल पांच प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। सरपंच पद के लिए स्वर्ण माजरा में छह, कुंजपुरा में चार और रिसालवा (असंध) में तीन उम्मीदवारों ने नामांकन भरा है। नीलोखेड़ी के गोविंदगढ़ गांव में किसी भी उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया। पंच पद के 19 स्थानों के लिए भी विभिन्न गांवों में उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र जमा कराए हैं। इनमें अराईपुरा में एक, बिलौना में तीन, बाहरी में दो, रूकसाना में एक, फतेहगढ़ में एक, राजेपुर में एक, गिटलपुर में एक और अंगोध में दो उम्मीदवार शामिल हैं। तरावड़ी नगर पालिका के वार्ड-8 में केवल बीर सिंह ने नामांकन पत्र दाखिल किया है, जिससे यहां निर्विरोध जीत की संभावना बन गई है।

स्टेशन पर ट्रेन से उतरते वक्त युवक की मौत

■ दिल्ली में अपना घर बसाने का सपना लेकर करनाल पहुंचा था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

अपनों से मिलने की खुशी और दिल्ली में अपना घर बसाने का सपना लेकर करनाल पहुंचे एक युवक के साथ नियति ने क्रूर मजाक किया। करनाल रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरते समय पैर फिसलने के कारण एक 30 वर्षीय युवक ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे ने न केवल एक परिवार का चिराग बुझा दिया, बल्कि एक मासूम बच्ची के सिर से पिता का साया भी छीन लिया।

मृतक की पहचान विकास उर्फ विक्की (30) निवासी शिव कॉलोनी, करनाल के रूप में हुई है। विक्की मूल रूप से कैथल के पाडला गांव का रहने वाला था और पिछले कुछ समय से दिल्ली में काम कर रहा था। शुक्रवार सुबह वह दिल्ली से ट्रेन में सवार होकर अपने बड़े भाई रणधीर से मिलने करनाल आ रहा था। जैसे ही ट्रेन करनाल स्टेशन पहुंची और उसने उतरने का प्रयास किया, अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे ट्रैक और प्लेटफॉर्म के बीच आ गया। विक्की की मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी लक्ष्मी ने रोते हुए बताया कि विक्की शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे दिल्ली से निकला था। वह बहुत खुश था क्योंकि परिवार करनाल की जमीन बेचकर दिल्ली में अपना घर खरीदने की योजना बना रहा था।

सदर बाजार में युवक ने फंदा लगाकर दी जान

करनाल। शहर के सदर बाजार क्षेत्र के भीम नगर इलाके में एक 29 वर्षीय युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक का शव किराए के कमरे में लटका मिला, जिसके बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

जम्मू निवासी अनिल पिछले पांच-छह महीनों से भीम नगर में एक महिला के साथ किराए के मकान में रह रहा था। वह शहर में एक कपड़े की दुकान पर काम करता था और उसकी दिनचर्या सामान्य बताई जा रही थी। रात के समय महिला घर पर मौजूद नहीं थी। सुबह जब वह वापस लौटी तो कमरे में अनिल को फंदे से लटका हुआ देखा। यह दृश्य देखकर उसने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

श्रीमद् भागवत कथा एवं भंडारे का बाबा बंसीवाले अन्नपूर्णा आश्रम में शुभारंभ

■ आचार्य मिथलेश नन्दन कौशिक ने भगवान श्री कृष्ण की महिमा का गुणगान किया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

सरस्वती राईस इंडस्ट्रीज तरावड़ी द्वारा हरिद्वार स्थित बाबा बंसीवाले अन्नपूर्णा आश्रम में श्रीमद् भागवत कथा एवं भंडारे का शुभारंभ किया गया, जिसमें तरावड़ी के समाजसेवी शीशपाल गुप्ता एवं श्रीमती अनिता ने मुख्य यजमान के रुप में शिरकत की। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त किया। कथा का शुभारंभ विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना और कलश यात्रा के साथ किया गया।

कथा वाचक आचार्य मिथलेश नन्दन कौशिक ने अपने मुखारविन्द से भगवान श्री कृष्ण जी की महिमा का गुणगान किया। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन करते हुए भक्तों को धर्म, भक्ति और नैतिक जीवन का संदेश दिया। उनके प्रवचनों को सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कार्यक्रम स्थल को सुंदर फूलों और रोशनी से सजाया गया था, जिससे वातावरण अत्यंत आकर्षक और भक्तिमय बना रहा। आयोजकों द्वारा श्रद्धालुओं के बैठने, पेयजल और प्रसाद की उत्तम व्यवस्था की गई। कथा के दौरान भजन-कीर्तन का भी आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया और भगवान के नाम का गुणगान किया। अंत में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर शीशपाल गुप्ता ने बताया कि यह कथा २५ अप्रैल से शुरु होकर आगामी १ मई तक चलेगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा और एकता का संदेश देते हैं। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग के लिए सभी का आभार जताया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर रोशनलाल गुप्ता, शीशपाल गुप्ता, प्रदीप गर्ग, संदीप गुप्ता, संजू बंसल, सौरभ गुप्ता, अंकुश जिंदल, विजय सिंगला, रविन्द्र सिंगला, मनोज गुप्ता, प्रदीप राणा, राजिन्द्र राणा सहित सैंकड़ों श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

लड़के-लड़की का विवाह माता-पिता की सहमति से हो : कंडेला

एक गांव व एक गोत्र में शादी पर रोक लगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सर्वजातीय खाप पंचायत के राष्ट्रीय संयोजक एवं कंडेला जन कल्याण फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं हरियाणा सहकारी निर्माण एवं प्रसंग के पूर्व चेयरमैन टेकराम कंडेला ने कहा कि एक ही गांव और एक ही गोत्र मे विवाह पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। क्योंकि यह हमारे समाज के सामाजिक ताने-बाने को नष्ट कर देता है। एक ही गांव और गोत्र के लोगों के बीच भाई व बहन का रिश्ता होता है। इसके कारण समाज की स्थिति बिगड़ गई है। केंद्र और हरियाणा सरकार को इस कानून पर तत्काल प्रतिबंध लगाना चाहिए। लड़के और लड़की का विवाह माता-पिता की सहमति से होना चाहिए। कंडेला ने कहा कि तीन या चार बच्चों के माता-पिता लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे हैं। जिसका उनके बच्चों और समाज पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इस प्रथा पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। हरियाणा सरकार द्वारा चलाए जा रहे नशा विरोधी अभियान के संबंध में, हरियाणा की खाप पंचायतें और सामाजिक संगठन सरकार का पूर्ण समर्थन कर रहे हैं।

कंडेला ने कहा कि लोगों को शादियों पर बहुत कम खर्च करना चाहिए। कंडेला ने जनसंख्या पर बोलते हुए कहा है कि आज हमारे समाज के लोग एक बच्चे पर आधारित हो गए हैं। अगर अचानक किसी प्रकार की कोई दुर्घटना हो जाती है तो वह परिवार सदमे में चला जाता है। इसीलिए हर परिवार को दो या तीन बच्चों को जन्म देना चाहिए ताकि परिवार आगे भलीभांति बढ़ सके। कंडेला ने किसानों पर बोलते हुए कहा कि मोटी फसलों का लाभकारी भाव दे व एमएसपी पर फसलों को खरीदना चाहिए ताकि लोगों का मोटी फसलों की तरफ ध्यान हो सके और प्राकृतिक खेती को भी बढ़ावा मिल सके।

कंडेला ने कहा कि जल ही जीवन है आने वाली पीढियां के लिए इसको बचा के रखना जरूरी है ताकि आने वाले पीढियां का जीवन सुरक्षित रहे इनके साथ फाउंडेशन के हरियाणा के कानूनी सलाहकार पवन ढुल व संगठन के पदाधिकारी बलकार ढुल आदि साथ थे।

जींद। कार्यकर्ताओं के साथ टेकराम कंडेला। फोटो :हरिभूमि

मादा एनाफलिज मच्छर के काटने से मलेरिया बुखार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मलेरिया खत्म करने के लिए थीम अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा पर जिला जींद में विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। इस उपलक्ष पर पूरे जिलें में धरातल स्तर पर लोगों को मलेरिया के प्रति जागरूक करने के लिए सेमिनार, रैलियां, नुकड़ सभाएं एवं प्रतियोगिताएं (स्लोगन, पेंटिंग, क्विज) आयोजित करवाए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएमओ डा. सुमन कोहली ने की । जबकि डिप्टी सीएमओ मलेरिया डा. विजेंद्र ढांडा के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किए गए। पीएम श्री राजकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय जुलाना मे एमओ डा. साहिल, रमेश कुमार नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्ग्रम में डिप्टी सीएमओ मलेरिया डा. विजेंद्र ढांडा ने आमजन, बच्चों को मलेरिया रोग, के प्रति जागरूक किया गया। बच्चों ने मलेरिया के प्रति जागरूक करने के लिए नाटक रूपांतरण बड़े ही अनोखे ढ़ंग से प्रस्तुत किया। डा. विजेंद्र ढांडा ने लोगों को भारत देश को मलेरिया मुक्त करने के अभियान में उपस्थित लोगों को जागरूक करने के दौरान शपथ दिलवाई। उन्होंने बताया कि मलेरिया बुखार संक्रमित मादा एनाफलिज मच्छर के काटने से होता है। जोकि दूषित पानी मे अपना जीवनचक्र पूरा करता है। मलेरिया में सर्दी व कंपन के साथ तेज बुखार आता है।

आर्य बाल भारती विद्यालय में एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने का हौसला देता है खेल: आर्य

वैदिक संस्कार ग्रहण करने के साथ योग भी करें विद्यार्थी, योग से शरीर निरोग रहता है

पानीपत। आर्य बाल भारती के प्रधान रणदीप आर्य के साथ क्रिकेट खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

आर्य बाल भारती विद्यालय के खेल परिसर में एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अशोक आर्य ने की। जबकि उप्राचार्य जगदीश आर्य ने कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं, पुरस्कार वितरण कार्यक्रम को पीटीआई सुनील आर्य, ज्योति, अंजलि, मनीषा, ऋषि पाल, वीरभान, ओम दत्त आर्य और रमेश आर्य ने भी संबोधित किया। दूसरी ओर, विद्यालय की प्रबंधक समिति के प्रधान रणदीप आर्य ने कहा कि खेलों से जहां तन मन स्वस्थ रहता है वही आजकल खेलों के माध्यम से बड़ी धनराशि से पुरस्कार और उच्च सरकारी पदों पर नियुक्तियां भी मिलती हैं तथा सभी आर्य शिक्षण संस्थानों में एनएसएस, हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड, योग के अलावा वैदिक संस्कार देने का कार्य भी किया जाता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा को भारतीय खेलों की जननी कहा जाता है। हरियाणा की जनसंख्या भले ही देश की कुल जनसंख्या का दो प्रतिशत हो, वहीं, यहां के वीर जवान तथा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भारतीय सेना और अर्द्ध सैनिक बलो में बारह प्रतिशत से अधिक भागीदारी कर रहे हैं। वहीं, क्रिकेट प्रतियोगिता श्रद्धानंद सदन ने प्रथम, दयानंद सदन द्वितीय रहे।

समालखा। डीपीएस पानीपत सिटी में अतिथियों के साथ क्रिकेट खिलाड़ी। फोटो: हरिभूमि

दिल्ली रॉकेटस ने जीती क्रिकेट ब्लास्टर कप ट्राई सीरीज

- दिल्ली रॉकेटस की टीम ने 25 ओवरों में 197 रन बनाए
- फाइनल खेलने वाली दोनों टीमों को व्यक्तिगत रूप से रनर अप और विनर ट्रॉफी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| समालखा

डीपीएस पानीपत सिटी में चल रहे अंडर 18 ब्लास्टर कप ट्राई सीरीज टूर्नामेंट का शनिवार को समापन हो गया। इस टूर्नामेंट का फाइनल मैच मुंबई बूमर्स और दिल्ली रॉकेटस के बीच खेला गया। दिल्ली रॉकेटस की टीम ने 25 ओवरों में 197 रन बनाए। जिसमें अमन जैन ने 50 रन और विहान सिंगला ने 40 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। जबकि मुंबई बूमर्स की पूरी टीम 187 पर ऑल आउट हो गई। दिल्ली रॉकेटस की टीम ने यह फाइनल मैच 10 रनों से जीत लिया। अमन जैन मैन ऑफ द मैच रहे। एकैडमिक एडवाइजर योगराज एवं कुछ छात्रों के अभिभावक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। वहीं उपप्रधानाचार्या आभा विषाद एवं डीपीएस जूनियर अंसल की मुख्याध्यापिका सरिता विज भी उपस्थित थे। इस सीरिज में लक्ष चुघ मैन ऑफ द सीरिज, अंकन बेस्ट बैट्समैन, सिद्धार्थ बेस्ट बॉलर, तेजस ठाकुर बेस्ट फील्डर, विहान सिंगला बेस्ट कैचर, रुद्र अपकमिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट एवं कुणाल डिसिप्लिन प्लेयर रहे। फाइनल खेलने वाली दोनों टीमों को व्यक्तिगत रूप से रनर अप और विनर ट्रॉफी दी गई।

देश भगत यूनिवर्सिटी के नए कैंपस का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिकास स्कूल ऑफ मेडिसिन के संचालन अरुण मलिक। फोटो : हरिभूमि

देश भगत यूनिवर्सिटी नैक ग्रेड ए.ने उत्तरी अमेरिकी महाद्वीप में स्थित सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस में दूसरा कैंपस देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिकास स्कूल ऑफ मेडिसिन स्थापित किया है। यह नया कैंपस छात्रों को मेडिकल डिग्री एमबीबीएस प्रोग्राम हासिल करने का अवसर प्रदान करता है। शनिवा को पानीपत में प्रेस वार्ता में देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिकास स्कूल ऑफ मेडिसिन के संचालन निदेशक इंज. अरुण मलिक ने कहा कि छात्र कई कारणों से देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिकास स्कूल ऑफ मेडिसिन में शामिल होना चुन रहें हैं। यह कार्यक्रम छात्रों को संयुक्त राज्य अमेरिका में क्लीनिकल रोटेशन करने के लिए मार्ग प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि देश भगत यूनिवर्सिटी अमेरिकास स्कूल ऑफ मेडिसिन को संबंधित अर्थाटीज द्वारा मान्यता प्राप्त है। अरुण मलिक ने कहा कि अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा, आधुनिक प्रयोगशालाएं और अच्छी तरह से सुसज्जित कक्षाएं अनुकूल शिक्षण वातावरण की तलाश करने वाले छात्रों के लिए महत्वपूर्ण आकर्षण हैं।

आत्म अनुशासित होकर जीवन में आगे बढ़ें विद्यार्थी: डॉ. कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

भक्त फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कला के फार्मेसी विभाग से डॉ. गुलशन कुमार एवं डॉ. मीनू रानी द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बड़ौली में स्वास्थ्य जागरूकता एवं युवा कल्याण कार्यक्रम किया गया। वहीं, मुख्य वक्ता डॉक्टर गुलशन ने नशा मुक्ति जागरूकता, तनाव प्रबंधन, नैतिक मूल्य, आत्म-अनुशासन तथा स्वस्थ जीवनशैली जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सारगर्भित चर्चा की गई। संसाधन व्यक्तियों ने अपने सत्र अत्यंत रोचक, ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक ढंग से प्रस्तुत किए, जिससे विद्यार्थी गहराई से प्रभावित हुए तथा सकारात्मक जीवन मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित हुए। जबकि डॉक्टर मीनू रानी ने विद्यार्थियों को कैरियर अवसरों, विज्ञान संकाय में प्रगति तथा फार्मेसी क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। इस अवसर पर प्राचार्य ओम सिंह राणा, ललित कला प्राध्यापक प्रदीप मलिक, उमेद सिंह, दीपिका धवन ने पेंटिंग भेंट कर सम्मानित किया।

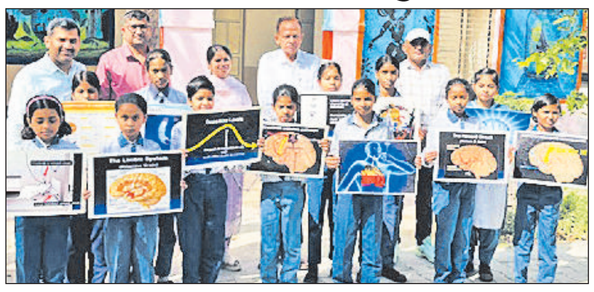

पानीपत। राजकीय स्कूल बडौली में अतिथियों के साथ शिक्षक व विद्यार्थी।

खबर संक्षेप

श्रमिक संगठनों ने बैठक की

पानीपत। सीटू जिला कार्यालय में मई दिवस की तैयारी में डॉ. सुरेंद्र मलिक की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में सीटू के राज्य सचिव सुनील दत्त, जिला सहसंयोजक व आशा वर्कर्स यूनियन की जिला प्रधान बंटी, सर्व कर्मचारी संघ की तरफ से जिला सचिव शिवकुमार अहलावत, रिटायर्ड कर्मचारी संघ की तरफ से जिला सचिव सतबीर सिंह चालिया, अखिल भारतीय किसान सभा की तरफ से डॉ.सुरेंद्र मलिक जिला प्रधान, सचिव राजपाल गाहल्याण, उप प्रधान दिलावर सिंह राठी, एसए खान, इंडस्ट्रियल वर्कर्स यूनियन के प्रधान जय भगवान, सचिव रामकुमार यादव, नवीन सपड़ा आदि बैठक में उपस्थित रहे।

एक्सपर्ट टॉक का आयोजन

पानीपत। आईबी पीजी कॉलेज के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा विशेष एक्सपर्ट टॉक का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता टेलस इंटरनेशनल की सीनियर रिसोर्स मैनेजर काजल दीक्षित रही। उन्होंने छात्रों को हाउ टू रिप्रेजेंट आवरसेल्वेस स्वयं को कैसे प्रस्तुत करें विषय पर विस्तार से जानकारी दी। काजल ने बताया कि इंटरव्यू और प्रोफेशनल लाइफ में खुद को आत्मविश्वास के साथ कैसे पेश किया जाए। प्राचार्य डॉ.सतवीर सिंह ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें जीवन में निरंतर सीखने और आगे बढने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डॉ.अर्पणा, छवि और निधि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री से शिकायत की

पानीपत। केसरिया हिंदुस्थान निर्माण संघ हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष सुरेश नारंग ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर नगर निगम की लापरवाही की शिकायत करते हुए मांग की है की पानीपत नगर निगम के अंदर बहुत ही गड़बडियां हैं, आम आदमी के काम नहीं होते। यही नहीं अधिकारियों को लिखे गए पत्रों का जवाब तक नहीं दिया जाता। इसलिए अब मुख्यमंत्री नायब सैनी को पत्र लिखकर मांग की गई है कि उच्च स्तरीय जांच करवा कर जो जो दोषी हों उन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

घर से जेवर व नकदी चोरी

पानीपत। पानीपत की कुटानी रोड स्थित न्यू दलबीर नगर निवासी कविता के घर से चोरों ने नगदी और सोने व चांदी से बने जेवर चोरी कर लिए। घटना 24 अप्रैल की रात करीब तीन बजे की है। कविता ने बताया कि चोरी उनके घर से सोने से बना मंगलसूत्र, अंगूठी, चांद और चांदी से बनी तीन जोड़ी पायल, एक चेन, तीन जोड़ी चुटकी, तीन अंगूठी, बच्चे की कड़ूली व बीस हजार रूपये की नगदी चोरी कर ले गए। वहीं, कविता की शिकायत पर थाना किला पुलिस ने अज्ञात पर चोरी के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सनातन धर्म में मिट्टी के शिवलिंग की पूजा करना अत्यंत फलदायी

थानेसर। अमीन रोड स्थित पटियाला बैंक कॉलोनी के मनोकामना सिद्ध श्री शिव मंदिर के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में करवाई जा रही श्री शिव महापुराण कथा में कथाव्यास आचार्य रमेश उनियाल हरिद्वार ने पार्थिव शिवलिंग महात्म्य भजनों सहित विस्तार से सुनाया। कथा में पुजारी पंडित उमेश पाठक ने सुबह यजमानों से शिव पूजन कराया। व्यासपीठ से आचार्य रमेश उनियाल ने पार्थिव शिवलिंग महात्म्य सुनाते हुए कहा कि सनातन धर्म में मिट्टी (पार्थिव) शिवलिंग का निर्माण और पूजा करना अत्यंत फलदायी माना गया है। यह मानसिक शांति, शारीरिक आरोग्य, धन-धान्य, संतान सुख और अकाल मृत्यु के भय से मुक्ति प्रदान करता है।

हरिनाम संकीर्तन हुआ

पानीपत। पानीपत के विराट नगर में इस्कॉन पानीपत द्वारा भव्य हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर भक्तों ने उत्साहपूर्वक भगवान के नामों का कीर्तन किया और पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया।

पानीपत जेल में कैदियों ने सीखी सुदर्शन क्रिया

पानीपत। आर्ट ऑफ़ लिविंग, पानीपत द्वारा प्रिजन स्मार्ट कार्यक्रम के तहत पानीपत जिला जेल, गांव सिवाह में कैदियों के लिए चार दिन के शिविर का आयोजन किया। वहीं, आर्ट ऑफ़ लिविंग के वरिष्ठ प्रशिक्षक सुरेंद्र गोयल व कुसुम धीमान द्वारा इस शिविर का संचालन किया गया। शिविर में पुरुष व महिला कैदियों को अलग अलग योग, प्राणायाम, ध्यान और सुदर्शन क्रिया का अभ्यास करवाया गया। वहीं, सुदर्शन क्रिया में अधिकतर कैदियों को अच्छे अनुभव प्राप्त हुए। इस शिविर द्वारा कैदीयों को मानसिक शांति, तनाव मुक्ति और बेहतर ऊर्जा का अनुभव हुआ। जबकि जेल प्रशासन द्वारा सुरेंद्र गोयल, कुसुम धीमान और आर्ट ऑफ़ लिविंग संस्था का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी आर्ट ऑफ़ लिविंग द्वारा इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करते रहने का अनुरोध किया है।

बंगाल में बनेगी भाजपा की सरकार

पानीपत। भाजपा के युवा नेता जयदेव नौल्था ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में इस बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है। चुनाव के प्रथम चरण में बंफर वोटिंग से भाजपा की जीत का संकेत मिल रहा है। वहीं बंगाल की जनता भी ममता राज से परेशान है और वहां पर भाजपा की सरकार बनवाना चाहती है।

शिव दुर्गा मंदिर उत्सव पांच से

पानीपत। श्री अखंड शिव दुर्गा मंदिर ट्रस्ट जसबीर कॉलोनी नूरवाला का 23 वां वार्षिक सत्संग एवं भंडारा छह मई को आयोजित किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए मदन लाल मजोका ने बताया कि चित्रकूट पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी दयानंद जी महाराज की पावन प्रेरणा से वार्षिक सत्संग एवं भंडारे की अध्यक्षता श्री श्री 1008 स्वामी महेश आनंद महाराज करेंगे। जिसमें 5 मई को प्रातः 9 बजे श्री राम चरित्र मानस का पाठ प्रारंभ होगा।

बच्ची के साथ पड़ोसी ने दुष्कर्म किया

समालखा। पानीपत जिला के समालखा थाना क्षेत्र के एक गांव में पड़ोसी युवक ने घर के आंगन में सो रही 11 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। वहीं आरोपी ने बच्ची को हत्या का भय दिखा कर इस घटना के बारे में परिजनों को नहीं बताने की भी चेतावनी दी थी। दूसरी ओर, बच्ची के पिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 22 अप्रैल की रात उनका परिवार घर के अंदर सो रहा था, जबकि उनकी 11 साल की बेटी बाहर आंगन में चारपाई पर सो रही थी। आरोप है कि आधी रात को पड़ोस में रहने वाले सौरभ नामक युवक ने पहले बच्ची को इशारों से अपने पास बुलाने की कोशिश की। जब बच्ची नहीं गई, तो आरोपी दीवार फांदकर घर के अंदर घुस आया और बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। इधर, थाना समालखा पुलिस ने सौरभ के खिलाफ दुष्कर्म करने छह पोक्सो एक्ट आदि आरोपों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुमथला गढ़ू में 55 लाख रुपये से बने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण

- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में शिक्षा और चिकित्सा सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा : जय भगवान शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

पिहोवा। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जय भगवान शर्मा डीडी का स्वागत करते ग्रामीण।

गांव गुमथला गढ़ू में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 55 लाख रुपये की लागत से निर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जय भगवान शर्मा डीडी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर गांव के गणमान्य व्यक्ति, भाजपा कार्यकर्ता तथा ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर संबोधित करते हुए पंडित जय भगवान शर्मा ने हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में शिक्षा और चिकित्सा सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में केंद्र और प्रदेश सरकार मिलकर गांवों और शहरों का चहुंमुखी विकास कर रही हैं, जिससे आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। लोगों को अपने क्षेत्र में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। इस अवसर पर बाबूराम रूआ मंडल प्रधान भाजपा पिहोवा, विनोद डोलिया, राकेश पुरोहित, कमल काजल सरपंच हरिगढ़, जेपी मेहला सरपंच रामगढ़ रोड आदि मौजूद रहे। अशोक सरपंच बेरिया, गुरमेर सरपंच छज्जूपुर, गुरतेज सिंह अरनेचा, सोनू सुरमी, संदीप आर्य सरपंच थाना सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुलिस टीम ने नशे के विरुद्ध ग्रामीणों को जागरूक किया

पानीपत। पुलिस की टीम गांव शाहपुर में महिलाओं को नशे के विरुद्ध जागरूक करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत पुलिस जिले को नशा मुक्त बनाने की दिशा में जागरूकता अभियान चलाए हुए है। इसी कड़ी में शनिवार को जिला पुलिस की नशा मुक्त अभियान की टीम ने शाहपुर गांव में डोर टू डोर जाकर ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। वहीं, पुलिस टीम ने इस दौरान गांव के घर घर जाकर लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया और उन्हें बताया कि नशा केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। लोगों को बताया की नशे की लत धीरे-धीरे व्यक्ति को अपने जाल में फंसा लेती है, जिससे उसका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य बुरी तरह प्रभावित होता है। वहीं, अभियान के जिला नोडल अधिकारी डीएसपी नरेंद्र सिंह ने कहा कि हरियाणा पुलिस नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ-साथ जागरूकता पर विशेष ध्यान दे रही है।

पानीपत। आईबी कॉलेज में विदाई पार्टी में शिरकत करते टीचर्स एंड स्टूडेंट्स।

देश, समाज, मानवता की निष्काम सेवा करें विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

आईबी पीजी कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा एमए अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आईबीएल स्कूल के प्रबंधक युधिष्ठिर मिगलानी, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सतवीर सिंह, उप-प्राचार्या डॉ. शशि प्रभा मलिक तथा राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. किरण मदान, डॉ.सुनित शर्मा एवं सहायक प्रो. खुशबू सहित अन्य सभी प्राध्यापकों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई। वहीं, युधिष्ठिर मिगलानी ने विद्यार्थियों से देश, मानवता, समाज की निष्काम सेवा का आह्वान किया। दूसरी ओर, विदाई पार्टी में छात्र अमरजीत को मिस्टर फेयरवेल, हर्षिता को मिस फेयरवेल, भरत को मिस्टर पर्सनेलिटी और प्रियांशी को मिस पर्सनेलिटी का खिताब मिला।

इसराना की एक दर्जन गोशालाओं को पशु चारा आहार राशी के चेक वितरित किए

पंजाब में भाजपा की सरकार देखना चाहती है जनता : कृष्ण लाल पंवार

- हरियाणा सरकार 697 से अधिक गोशालाओं को समय समय पर अनुदान देती रहती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इसराना

इसराना। पंचायत मंत्री कृष्ण पंवार को स्मृति चिन्ह भेंट करते गोशाला के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

आम आदमी पार्टी के जिन सात राज्यसभा के सांसदों ने आम पार्टी छोड़ कर भाजपा ने विलय किया है। वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकास कार्यों की नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुए हैं। आज पंजाब के हालात खराब हैं वहां की जनता आम आदमी पार्टी की भगवंत मान सरकार से तंग है ओर वह बदलाव चाहती है।

यह बात विकास, पंचायत एवं खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने आज हलका इसराना की एक दर्जन गोशालाओं को गायों की पशु चारा आहार राशी के चेक वितरित करने के बाद पत्रकारों से वार्ता करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जो सात सांसद भाजपा में शामिल हुए थे आने वाले पंजाब चुनावों में इसका फायदा पार्टी को मिलेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार 697 से अधिक गोशालाओं को समय समय पर अनुदान देती रहती है। इस अवसर पर राज रुप पानू, सरपंच बलराज सिंह, सुखबीर जागलान, रामकुमार जागलान, जयपाल बांध, नरेन्द्र महाराणा, आजाद सिंह, जय सिंह दहिया, संदीप पाठक, तेजवीर सिंह, सुरेन्द्र सिंह, अंग्रेज सिंह, एसएचओ हरिराम व महेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

बालियां लूटने वाला आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना नारायणगढ़ में दर्ज लूट के मामले में तत्परता से कार्रवाई करते हुए खिलोना नुमा पिस्टल से डरा धमका कर कान की बालियां लूटने की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को हुसैनी रोड से काबू किया। पीड़ित महिला ने 24 अप्रैल 2026 को शिकायत में बताया कि 24 अप्रैल 2026 को आरोपी द्वारा पिस्टल से डराकर उसकी कान की बालियां लूट कर फरार हो गए है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी को काबू किया। पुलिस ने आरोपी से लूट की बालियां व खिलौनानुमा हथियार बरामद कर लिया है। आरोपी की पहचान विरेंद्र सिंह उर्फ भोला के रूप में हुई है।

महिला से अश्लील इशारे पर दो नामजद

जींद। सदर थाना नरवाना इलाके में महिला से अशील हरकत करने तथा धमकी देने पर सदर थाना नरवाना पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ अशील हरकत करने समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। सदर थाना नरवाना इलाका गांव की महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि जब वह अपने प्लाट में जाती है तो उसके पड़ोसी विशाल तथा उसका पिता रोहताश अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं और अशील इशारे करते हैं। जब उसने विरोध किया तो आरोपितों ने उसे बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी।

छात्तर सब यार्ड में लगाया भंडारा

उचाना। छात्तर सब यार्ड में आढ़तियों द्वारा हवन कर क्षेत्र की सुख, समृद्धि की कामना की। हवन के बाद भंडारा भी लगाया गया। प्रधान राजा मोर ने निरंतर हवन, भंडारे का आयोजन छात्तर सब यार्ड पर किया जाता है। इस मौके पर सतबीर शर्मा, ओमदत्त शर्मा, विजय, राजू मोर, अनिल कंदौला, संजय ढिल्लो, टिंकू पूनिया, राजेश, रणबीर, हरिकेश, रामनिवास, नरेश, आशु, दरवेश नैन, जीवन वर्मा, रतन सिंह, सुखविंद्र, सोनू शर्मा, सूबे सिंह मोर मौजूद रहे।

बच्चों ने किया गुरुद्वारा का शैक्षिक भ्रमण

जींद। दालमवाला पब्लिक स्कूल की नर्सरी से कक्षा दूसरी तक के विद्यार्थियों ने गुरूद्वारा का एक शैक्षिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण किया जिसमें बच्चों ने श्रद्धापूर्वक मत्था टेका और आध्यात्मिक वातावरण को अनुभव किया। दालमवाला पब्लिक स्कूल इस प्रकार के शैक्षिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण का समय-समय पर आयोजन करता रहता है। इस प्रकार के भ्रमणों से बच्चों में दूसरे स्थानों पर जाने और वहां के बारे में जानने को भी मिलता है। गुरुद्वारे में उपस्थित ग्रंथी जी द्वारा विद्यार्थियों को सिख धर्म की मूल शिक्षाओं सेवाए समानता एवं मानवता के विषय में सरल एवं प्रभावी ढंग से अवगत कराया गया।

इंस्टा पर युवती पर किए गंदे कामेंट्स, मामला दर्ज

जींद। युवती के इंस्टाग्राम अकाउंट पर गंदे कामेंट्स करने तथा विरोध करने पर युवती को धमकी देने पर जुलाना थाना पुलिस ने एक युवक के खिलाफ आईटी एक्ट समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है।

भीषण गर्मी के बीच वार्ड नंबर 10 और 11 में पानी की किल्लत

दो दिन से बूंद-बूंद पानी के लिए तरसे दो वार्डों के लोग, प्रदर्शन का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बराड़ा

घरों में आ रही गंदे पानी की सप्लाई से बढ़ा बीमारी फैलने का खतरा

भीषण गर्मी के बीच वार्ड नंबर 10 और 11 में पानी की किल्लत ने विकराल रूप ले लिया है। पिछले दो दिनों से क्षेत्रवासी बूंद-बूंद पानी के लिए जूझ रहे हैं, वहीं जो पानी सप्लाई हो रहा है, उसकी हालत इतनी खराब है कि उसे पीना तो दूर, घर में रखना भी मुश्किल हो गया है। गंदे पानी की सप्लाई से लोगों में बीमारियों का डर सताने लगा है और उन्होंने इसके लिए सीधे तौर पर जलापूर्ति विभाग को जिम्मेदार ठहराया है। जानकारी के अनुसार गांव के वृद्ध आश्रम परिसर में स्थित नलकूप का बोर खराब हो चुका है, जिसके चलते दोनों वार्डों में जलापूर्ति ठप हो गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभाग को इस समस्या की जानकारी कई महीनों पहले से ही थी, लेकिन इसके बावजूद नया बोर करवाने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अब जब हालात बिगड़ चुके हैं, तो विभाग केवल औपचारिकता निभाते हुए दूसरे नलकूपों से पानी सप्लाई करने की कोशिश कर रहा है। स्थिति को और गंभीर बनाते हुए वार्ड नंबर 20 के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पहले से ही पानी की सप्लाई में दिक्कत रहती है। ऐसे में वैकल्पिक नलकूपों से पानी इन घरों तक पहुंच पाना लगभग असंभव लग रहा है। उधर विभागीय अधिकारियों का ढुलमुल रवैया लोगों के गुस्से को और भड़का रहा है। यहां रहने वाले सोनू राणा, जोनी राणा, महिपाल राणा, राजेश शर्मा और अमित धीमान ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो वे सरकार और विभाग के खिलाफ सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि विभाग जनता की समस्याओं को हल्के में ले रहा है, जिसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लोगों ने उच्च अधिकारियों और क्षेत्र के मंत्री से भी शिकायत करने की तैयारी कर ली है। फिलहाल, गर्मी के इस दौर में पानी की किल्लत ने लोगों की परेशानी को चरम पर पहुंचा दिया है, और अगर जल्द समाधान नहीं हुआ, तो बराड़ा में बड़ा आंदोलन खड़ा होना तय माना जा रहा है।

बराड़ा। ट्यूबवेल से निकलता गंदा पानी और घर में बाल्टी में भरा गंदा पानी।

एस्टीमेट भेजा जा चुका है

फिलहाल बस अड्डा में लगे दो नलकूपों से पानी की आपूर्ति की जा रही है। खराब नलकूप की जगह नया बोर लगाने के लिए 7-8 महीने पहले ही एस्टीमेट भेजा जा चुका है। जल्द ही इस दिशा में कार्रवाई करने का प्रयास किया जाएगा। -**दीपक कुमार**, जेई, पब्लिक हेल्थ ।

गर्मी में बिजली के अघोषित कटों ने बढ़ाई ग्रामीणों की परेशानी

- रातभर में कई बार गुल हुई बत्ती, महिलाएं व बच्चों के साथ बुजुर्ग भी बेहद परेशान

बराड़ा। गर्मी की शुरुआत के साथ ही क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में बिजली संकट गहराने लगा है। गांव तंदवाल, दादूपुर, चहल माजरा, राऊमाजरा, तंदवाली, सोहता सहित आसपास के कई गांवों में रात बार-बार बिजली के अघोषित कट लगने से लोग पूरी रात परेशान रहे। ग्रामीणों के अनुसार, रात के समय 2 से 3 बार बिजली के कट लगाए गए, जिससे भीषण गर्मी में लोगों का जीना मुश्किल हो गया। बिजली गुल होने के कारण न केवल नींद खराब हुई, बल्कि छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि गर्मी अभी पूरी तरह शुरू भी नहीं हुई है और बिजली व्यवस्था का यह हाल है। यदि समय रहते सुधार नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। ग्रामीणों ने बताया कि अघोषित कटों की कोई पूर्व सूचना भी नहीं दी जाती, जिससे परेशानी और बढ़ जाती है। ग्रामीणों में बिजली विभाग के प्रति रोष बढ़ता जा रहा है। उनका कहना है कि विभाग को पहले से ही गर्मी के मौसम को देखते हुए पुख्ता इंतजाम करने चाहिए थे, लेकिन लापरवाही के चलते आमजन को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो वे विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

बराड़ा। कार्यक्रम में बच्चों को संबोधित करते हुए पूर्व छात्र। फोटो : हरिभूमि

स्कूल में आए पूर्व छात्र यादों में डूबे विद्यार्थियों को दे गए जीवन की सीख

- मंच पर पहुंचते ही भावुक हुए, दोनों ने स्कूल से पास की दसवीं कक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बराड़ा

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थंबड़ में उस समय भावनाओं से भर उठा, जब इसी विद्यालय के पूर्व छात्र डॉ. मोहित गुप्ता वर्षों बाद अपनी जड़ों की ओर लौटे। उनके साथ शमन गुप्ता और शशि भी मौजूद रहे। जैसे ही डॉ. मोहित ने स्कूल परिसर में कदम रखा, बीते दिनों की अनगिनत यादें उनकी आंखों में झलक उठीं। यही वह स्कूल है, जहां डॉ. मोहित गुप्ता ने अपने जीवन के सुनहरे और संघर्ष भरे पल बिताए थे। उन्होंने दसवीं तक की पढ़ाई यहीं से की थी, जब यह विद्यालय एक हाई स्कूल हुआ करता था। मंच पर पहुंचते ही वे भावुक हो गए और कुछ पल के लिए शब्द जैसे थम गए। उन्होंने नम आंखों से कहा, "मेरा बचपन अभावों में बीता, लेकिन उन अभावों में भी भावनाओं की समृद्धि थी, जिसने मुझे आगे बढ़ने की ताकत दी।" उन्होंने अपने गुरुओं को याद करते कहा कि "यह विद्यालय मेरे लिए किसी मंदिर से कम नहीं है। यहीं से मुझे जीवन की दिशा मिली, यहीं मेरे सपनों ने आकार लिया।" उन्होंने बताया कि उन्होंने इसी स्कूल से कक्षा 10वीं में मेरिट हासिल की थी, जो उनके जीवन का पहला बड़ा पड़ाव था। डॉ. मोहित गुप्ता ने विद्यार्थियों से दिल से जुड़कर बात की। उन्होंने कहा, "शिक्षक मां के बाद हमारे सबसे बड़े मार्गदर्शक होते हैं। वे केवल किताबों का ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि जीवन जीने की कला, संघर्ष से लड़ने का हौसला और सपनों को साकार करने की राह भी दिखाते हैं।" उनके शब्दों ने वहां उपस्थित हर छात्र-छात्रा के दिल को छू लिया। बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, अगर इरादे मजबूत हों तो हर मंजिल हासिल की जा सकती है।

आभार जताया

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से डॉ. मोहित गुप्ता को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस सम्मान को स्वीकार करते हुए उन्होंने पूरे स्टाफ का आभार व्यक्त किया। डॉ. मोहित गुप्ता का यह दौरा केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भावनाओं, संघर्ष और सफलता की एक जीवंत कहानी बन गया, जिसने हर किसी के दिल में एक गहरी छाप छोड़ दी।

मानव एकता दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ शहजादपुर

यहां स्थित निरंकारी सत्संग भवन में मानव एकता दिवस का आयोजन किया गया। इसमें सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने हिस्सा लिया। स्थानीय मुखी सतीश कुमार शर्मा ने बताया 'मानव एकता दिवस' 24 अप्रैल को, बाबा गुरबचन सिंह की दिव्य स्मृति में, सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता के सान्निध्य में दिल्ली के ग्राउंड नं. 8 में आयोजित हुआ। इसके साथ ही समूचे देश की हजारों सत्संग केंद्रो पर श्रद्धा और समर्पण भाव से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि प्रेम, सद्भाव और निष्काम सेवा का जीवंत स्वरूप बनकर उभरा।

शहजादपुर। सत्संग के दौरान मौजूद श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

अटूट प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण

युगप्रवर्तक बाबा गुरबचन सिंह की स्मृति में यह दिवस वर्षभर चलने वाली सेवा-सरिता का शुभारंभ है, जिसके अंतर्गत देशभर में लगभग 705 स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे जो करुणा और एकत्व की भावना को निरंतर सुदृढ़ करेंगे। अब तक 9,174 रक्तदान शिविरों के माध्यम से लगभग 15,00,230 यूनिट रक्त संकलित किया जा चुका है, जो मानव सेवा के प्रति निरंकारी मिशन की अटूट प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है।

करियर काउंसलिंग के साथ चरित्र निर्माण पर दिया जोर

- डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल में कार्यशाला का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बराड़ा

डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग एवं चरित्र निर्माण विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस प्रेरणादायक कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सही दिशा में मार्गदर्शन प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव को मजबूत बनाना रहा। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अनीता गोदारा एवं डॉ. सरिता चौधरी ने विशेष रूप से शिरकत की। विद्यालय परिवार द्वारा दोनों अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या अनुजा के प्रेरणादायी उद्बोधन से हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने, निरंतर परिश्रम करने, आत्मविश्वास बनाए रखने तथा अनुशासन एवं उत्तम चरित्र के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कहा कि सफलता केवल अंकों से नहीं, बल्कि अच्छे संस्कारों और मजबूत व्यक्तित्व से प्राप्त होती है।

बराड़ा। कार्यक्रम में आए मुख्य वक्ताओं को सम्मानित करते हुए प्रिंसिपल।

सम्मानित किया

उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार सही क्षेत्र का चयन करने का मार्गदर्शन दिया, जिससे वे भविष्य में सफल और संतुलित जीवन जी सकें। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यशाला में भाग लिया और अपने मन में उठ रहे अनेक प्रश्नों के समाधान प्राप्त किए। यह संवादात्मक सत्र विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक साबित हुआ। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन की ओर से अतिथियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। यह कार्यशाला विद्यार्थियों के करियर निर्माण के साथ-साथ उनके चरित्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली सिद्ध हुई।

सच्चे रिश्ते धन-दौलत पर नहीं बल्कि प्रेम व विश्वास पर टिके होते हैं: बाबा

अंबाला। भारतीय सनातन परंपरा के प्रमुख ग्रंथ श्रीमद्भागवत महापुराण में वर्णित कथाएं समाज को नैतिकता, भक्ति और सच्चे जीवन मूल्यों का मार्ग दिखाती हैं। विशेष रूप से सुदामा चरित्र और नाम संकीर्तन का महत्व वर्तमान समय में भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना प्राचीन काल में था। यह सद्विचार श्री सिद्ध किराना सेवा समिति द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के समापन सत्र पर बाबा गोपाल दास महाराज ने कहा कि सुदामा चरित्र से हमें सच्ची मित्रता, सादगी और निस्वार्थ भक्ति की प्रेरणा मिलती है। भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता इस बात का उदाहरण है कि सच्चे रिश्ते धन-दौलत पर नहीं, बल्कि प्रेम और विश्वास पर टिके होते हैं। सुदामा अत्यंत निर्धन थे, फिर भी उन्होंने कभी अपनी स्थिति को लेकर भगवान से कोई अपेक्षा नहीं रखी। जब वे द्वारका पहुंचे, तो भगवान श्रीकृष्ण ने उनका जिस प्रकार आदर-सत्कार किया, वह यह दर्शाता है कि ईश्वर के लिए भक्त का प्रेम ही सबसे बड़ा धन है। सुदामा की कथा हमें यह भी सिखाती है कि जीवन में विनम्रता, संतोष और सच्ची श्रद्धा रखने से भगवान स्वयं भक्त की सहायता करते है।

मिस फेयरवेल का खिताब पूजा को मिला

- राजकीय महाविद्यालय में बीए फाइनल ईयर के विद्यार्थियों के लिए भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ शहजादपुर

राजकीय महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में बीए फाइनल ईयर के विद्यार्थियों के लिए एक भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया। यह कार्यक्रम प्राचार्य रोहित कुमार की अध्यक्षता में एवं कन्वीनर डॉ अपूर्वा चावला के नेतृत्व में किया गया। इस विशेष अवसर पर सबसे पहले विद्यार्थियों ने प्राचार्य को पुष्पगुच्छ भेंट कर साथ ही सभी स्टाफ सदस्यों का कार्यक्रम में पहुँचने पर स्वागत किया।

शहजादपुर। विदाई पार्टी के दौरान मौजूद छात्र। फोटो : हरिभूमि

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मोहा मन

प्राचार्य ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया एवं अपने संबोधन में विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते कहा कि आज आप एक नए सफर की ओर बढ़ रहे हैं, जहाँ चुनौतियाँ होंगी, लेकिन हमें विश्वास है कि आप सब उनका सामना दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास से करेंगे।प्रोफेसर सुभाष कुमार, प्रो.संजीव कुमार, डॉ अपूर्वा चावला एवं प्रो.रेनू कुमारी ने विद्यार्थियों को आगे की जिंदगी के लिए प्रेरणादायक संदेश दिए व छात्र-छात्राओं को परीक्षा में धैर्य, लगन व मेहनत के साथ सर्वोत्तम प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां जिसमें गायन, नृत्य, रैंप वॉक, गेम्स संबंधित प्रतियोगिताएं भी कराई गई।

हास्य कवि सम्मेलन में छात्रों ने अपनी कविताओं से बनाया खुशी का माहौल

- एसए जैन सीनियर मॉडल स्कूल में सम्मेलन का किया आयोजन

अंबाला। शहर के एसए जैन सीनियर मॉडल स्कूल के परिसर में एक शानदार 'हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें हंसी, खुशी और साहित्यिक आकर्षण से भरा माहौल बन गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से छात्रों और उनके वरिष्ठ अभिभावकों जिनमें दादा-दादी और नाना-नानी भी शामिल थे के लिए आयोजित किया गया था ताकि हास्य और कविता के माध्यम से पारिवारिक भागीदारी को बढ़ावा दिया जा सके। विभिन्न पीढ़ियों के बीच के बंधन को मजबूत किया जा सके। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुभाष रानी जैन थीं। कार्यक्रम दोपहर 12:00 बजे शुरू हुआ जिसमें छात्रों और बड़ों—दोनों ने ही बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। हास्यपूर्ण काव्य प्रस्तुतियों ने सभी के चेहरों पर मुस्कान ला दी और परिसर को सकारात्मक ऊर्जा तथा आनंदमय पलों से भर दिया। प्रबंधक समिति के सदस्यों अध्यक्ष रजत जैन, उपाध्यक्ष डॉ. विनीत जैन, सचिव हितेश जैन, प्रबंधक रितेश जैन, कोषाध्यक्ष सुनील जैन, प्रबंधक समिति के सलाहकार रविकांत जैन ने सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की।

10 वाहनों के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। विशेष अभियान के तहत एवीटी टीम को एक बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 7 एक्टिवा और 3 मोटरसाइकिल बरामद किए हैं। शिकायतकर्ता हरमनप्रीत सिंह ने 22 अप्रैल 2026 को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 18 अप्रैल को उनके घर के बाहर खड़ी उनकी एक्टिवा किसी व्यक्ति ने चोरी कर ली है। शिकायत के आधार पर थाना अम्बाला छावनी में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और सूचनाओं के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दो संदिग्धों को काबू किया। पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कच्चा बाजार से चोरी की गई एक्टिवा के अलावा विभिन्न क्षेत्रों से कई अन्य वाहन चोरी करने की बात कबूल की। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने कुल 10 दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। आरोपियों की पहचान विशाल उर्फ छोटू व विकास के तौर पर हुई है। फोटो संख्या 11 वाहन चोरी में पकड़े गए आरोपी

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

आकाश एजुकेशनल के स्टूडेंट्स ने किया बेहतरीन प्रदर्शन, किया नाम रोशन

जेईई मेन में गाड़े झंडे, जसलीन कौर 99.83 परसेंटाइल के साथ रही टॉपर

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

आकाश एजुकेशनल, अंबाला के स्टूडेंट्स ने एक बार फिर जेईई मेन 2026 में अच्छा परफ़ॉर्मेंस दिखाया है, जो सभी बैच में लगातार पढ़ाई के नतीजों और अच्छी तैयारी को दिखाता है। इस ग्रुप को लीड कर रही हैं जसलीन कौर, जिन्होंने शानदार 99.83 परसेंटाइल हासिल किए, और अंबाला से टॉप परफॉर्मर बनीं। जेईई मेन 2026 (सेशन 2) में, आकाश इंस्टीट्यूट, अंबाला के स्टूडेंट्स ने अच्छे रिजल्ट दिए, जिसमें कई स्टूडेंट्स ने हाई परसेंटाइल हासिल किए। दूसरे टॉप परफॉर्मर्स में अंशुल कुमार (99.19 परसेंटाइल), सात्विक गुप्ता (99.00 परसेंटाइल), नंदन सभरवाल (98.81 परसेंटाइल), अंकित (98.17 परसेंटाइल), त्रिमनजोत सिंह (97.61 परसेंटाइल), और शिवेन गर्ग (97.57 परसेंटाइल) के साथ-साथ कई दूसरे स्टूडेंट्स ने भी अच्छे स्कोर हासिल किए।कल शाम को जारी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के रिजल्ट्स के मुताबिक, आकाश इंस्टीट्यूट, अंबाला के 3 स्टूडेंट्स ने जेईई मेन 2026 (सेशन 2) में बहुत अच्छा परफॉर्मेंस दिया।आकाश एजुकेशनल सर्विसेज़ लिमिटेड के डिप्टी रीजनल डायरेक्टर, विकास फुटेला ने कहा: " स्टूडेंट्स की सफलता पढ़ाई के प्रति उनके कमिटमेंट और आकाश लर्निंग इकोसिस्टम की ताकत को दिखाती है। इन नतीजों को पाने में उनकी लगन, अनुशासन और लगातार कोशिशों का अहम रोल रहा है।"

दो शातिर चोर गिरफ्तार

अंबाला। पुलिस ने एक साल पुराने चोरी के मामले को सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी के पैसों से खरीदी दो बाइक, मोबाइल फोन और 1 लाख 10 हजार रुपये की नकदी बरामद की गई है। सेक्टर- 7 के नरेश कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि कपड़ा मार्केट स्थित उनकी दुकान से रात के समय अज्ञात चोरों ने लाखों रुपये की नकदी और मोबाइल फोन चोरी कर लिए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर अब दो आरोपियों को काबू किया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान तनुज कुमार व विकास के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान खुलासा हुआ कि चोरों ने चोरी की गई बड़ी रकम से दो मोटरसाइकिलें और मोबाइल फोन खरीदे थे। पुलिस ने आरोपियों से लगभग 1,10,000 रुपये नकद। दो बाइक व फोन जब्त किए हैं।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 26 अप्रैल 2026

विशेषः अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस
29 अप्रैल

आवरण कथा / प्रस्तुतिः रेणु खंतवाल

नृत्य ऐसी कला है, जो जीवन को उमंगित कर देती है। जिनके जीवन में नृत्य शामिल होता है, वे हर पल संतुलित, आनंदित महसूस करते हैं। नृत्य दिवस के अवसर पर यहां अलग-अलग शैली के नर्तक और नृत्यांगनाएं बता रहे हैं नृत्य का उनके जीवन में क्या महत्व है? यानी, नृत्य ने उनके जीवन को किस-किस स्तर पर बदला, उसे अलग दिशा प्रदान की? जब नृत्य के दौरान वे उसमें पूरी तरह खो जाते हैं तो उस समय किस तरह की अनुभूति होती है? और शारीरिक-मानसिक सेहत बेहतर करने में नृत्य की भूमिका को कितना महत्वपूर्ण मानते हैं?

जीवन की सरगम पर तन-मन की थिरकन

नृत्य से जीवन में निखार आता है

कविता द्विवेदी, ओडिसी नृत्यांगना

नृत्य मेरे लिए जीवन है और मेरे जीवन में नृत्य है। मैं ऐसा महसूस करती हूं कि अगर मेरे जीवन में नृत्य नहीं होता तो मेरे जीवन का कोई अस्तित्व भी नहीं होता। नृत्य ने समय-समय पर मेरे जीवन को बदला, स्थापित किया। मुझे अलग-अलग स्तर पर पहचान दी, आगे बढ़ाया। इसी की वजह से मुझे कॉलेज में स्कॉलरशिप मिली और देश दुनिया में अपनी कला दिखाने का अवसर मिला। मैं दृढ़ विश्वास से आगे बढ़ पाई। सन 2013 में मुझे ओडिसा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिला। इस पुरस्कार का भी मेरे जीवन में बहुत महत्व रहा है। नृत्य के माध्यम से मैंने खुद को खोजा, समझा कि मुझमें क्या अच्छाई है, क्या कमी? जब भी मैं नृत्य करती हूं, उसमें खो जाती हूं। उसके बाद मैं नृत्य के शिखर बिंदु पर पहुंच जाती हूं। वहां तो मुझे अपनी कोई सुधबुध नहीं रहती। पूर्ण समर्पण के साथ मैं नृत्य में डूबी होती हूं। उस दौरान एक दिव्य शक्ति को महसूस करती हूं। जब मैं अपनी प्रस्तुति पूरी करती हूं, उसके बाद मुझसे कुछ बोला ही नहीं जाता, मैं चुप हो जाती हूं। कभी महसूस करती हूं कि अब मुझे एकांत चाहिए। जिस शक्ति के साथ मैं नृत्य कर रही थी, उसी शक्ति के साथ मैं कुछ वक्त बिताऊं। नृत्य से मुझे शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक ऊर्जा मिलती है। हर व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में नृत्य को शामिल करना चाहिए। नृत्य से जीवन में निखार आता है। नृत्य के माध्यम से आप समाज में अलग पहचान, महत्व बनाते हैं। बहुत त्याग और तपस्या से मैंने नृत्य के माध्यम से देश-दुनिया में एक अलग पहचान बनाई है। *

तन-मन-जीवन के लिए जरूरी है नृत्य

श्रुति सिन्हा, कथक नृत्यांगना

नृत्य मेरे जीवन का महत्वपूर्ण, बहुआयामी हिस्सा है। नृत्य ने मुझे जीने का सकारात्मक नजरिया दिया। मेरा शरीर, मन और आत्मा पूरे तरीके से नृत्य में डूबे रहते हैं। मैं नृत्य के जरिए खुद को बहुत मजबूत महसूस करती हूं। जीवन में जितने भी उतार-चढ़ाव आते हैं, उससे उबरने में नृत्य मेरी बहुत सहायता करता है। व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और पेशेवर स्तर पर नृत्य का मुझ पर बहुत प्रभाव रहा। आज नृत्य के कारण ही सामाजिक स्तर पर मुझे इतना मान-सम्मान मिलता है। नृत्यांगना, नृत्य शिक्षिका और कोरियोग्राफर के रूप में मेरी पहचान है। नृत्य ने ही मुझे सकारात्मक, ऊर्जावान बनाया। आत्म खोज व अनुशासन के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ना सिखाया। रचनात्मक नई सोच और कल्पनाशक्ति प्रदान की। इस तरह नृत्य ने मुझे जीवन में बहुत कुछ दिया है। कई बार नृत्य करते हुए मैं जब उसमें पूरी तरह खो जाती हूं, उस समय जो अनुभूति होती है उसे शब्दों में बताना मुश्किल है। उस अनुभूति को सिर्फ महसूस किया जा सकता है। उस समय मैं सिर्फ अपने आप में लीन होकर नृत्य में डूबी होती हूं। शायद इसे ही नृत्य के जरिए मनुष्यतत्व का देवतत्व तक पहुंचना कहते हैं। नृत्य बहुत अच्छा व्यायाम भी है, जिससे शरीर लचीला, मजबूत और ऊर्जावान बनता है। नृत्य आत्मविश्वास बढ़ाता है, तनाव, चिंता व अवसाद कम करता है। नृत्य, संगीत और ताल के साथ जुड़कर मन को खुशी व शांति देता है। मन को संतुलित करने के साथ-साथ पूरे व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाता है। इस तरह नृत्य शारीरिक और मानसिक सेहत दोनों के लिए बहुत लाभकारी होता है। मेरा मानना है कि नृत्य को अपने डेली रूटीन में शामिल करने से सकारात्मक सोच बढ़ती है। आलस नहीं रहता। शरीर बीमारियों से दूर रहता है। अतः हम किसी भी उम्र के हों, नृत्य जरूर करना चाहिए। *

नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है

बीके अतुल गोस्वामी, कंटेंपरेरी डांसर-कोरियोग्राफर

मेरे लिए नृत्य केवल एक कला नहीं बल्कि मेरी पहचान है। नृत्य ने मेरे शरीर को शक्ति, मन को शांति और मेरी आत्मा को सुकून से जोड़ा है। जहां शब्द रुक जाते हैं, वहां से मेरा नृत्य शुरू होता है यानी नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है। जब मैं नृत्य करता हूं और पीक पर पहुंच जाता हूं, उस समय मुझे यह महसूस होता है कि मैं डांस नहीं कर रहा हूं बल्कि मेरी आत्मा मेरे शरीर से डांस करवा रही है। उसके बाद हर बीट दिल की धड़कन बन जाता है और दुनिया कुछ पलों के लिए ठहर सी जाती है। डांस करते हुए मैं इस पीक को हमेशा महसूस करता हूं क्योंकि उन पलों में मैं खो जाता हूं। नृत्य केवल शरीर की ही नहीं बल्कि मन की थेरेपी भी होती है। नृत्य वो ताकत है, जो तनाव को भी ऊर्जा में बदल देता है। जैसे ही आप डांस करना शुरू करते हैं, शरीर में जितनी भी नकारात्मकता है, वह अपने आप रिलीज होने लगती है और आप बहुत हल्का महसूस करते हैं। अगर आप रूटीन में अपनी पसंद का कोई भी डांस शामिल करें तो यह आपको फ्रीडम का एहसास कराएगा। डांस के हर बीट पर आप अपने तनाव को कम करते जाते हैं। यह आपको शारीरिक रूप से तो फिट रखता ही है, साथ ही सोच व विचारों को सकारात्मक भी बनाता है। जब भी मैं तनाव महसूस करता हूं तो डांस करके खुद को हल्का और खुश महसूस करता हूं। इसलिए मैं तो यही सबसे कहता हूं कि हर इंसान को डांस जरूर करना चाहिए। *

नृत्य अध्यात्म से जोड़ता है और ईश्वर के करीब ले जाता है

ऐश्वर्य हरीश, भरतनाट्यम नृत्यांगना

मेरे लिए नृत्य केवल जीवन का हिस्सा नहीं है बल्कि मेरा जीवन ही है। मैं अपने परिवार की पांचवीं पीढ़ी से हूं, जो नृत्य कला से जुड़ी है। नृत्य मेरे खून में रचा-बसा है। बचपन से मैं देखती आ रही हूं कि यह मेरे साथ इस तरह जुड़ गया कि कभी लगा ही नहीं कि मैं कुछ अलग काम कर रही हूं। नृत्य ने मुझे अनुशासन और धैर्य सिखाया। खुद को समझना सिखाया। जैसे-जैसे मैं नृत्य करती गई यह मेरे लिए केवल नृत्य नहीं रहा बल्कि साधना बन गया। नृत्य हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है। नृत्य अध्यात्म से जोड़ता है और ईश्वर के और करीब ले जाता है। कई बार लगता है कि जो मैं शब्दों में नहीं कह पाती, वह नृत्य अपने आप कह देता है। नृत्य में जो पीक स्टेज होती है, उसे शब्दों में नहीं कह पाना मुश्किल है। क्योंकि उस समय आप नृत्य कर नहीं रहे होते बल्कि नृत्य बन जाते हो। एक लय की स्थिति होती है, जहां अहंकार धीरे-धीरे मिट जाता है। उस समय न तो समय का, न दर्शकों का और न ही मंच का बोध रहता है। बस लय भाव और एक प्रवाह रह जाता है। कभी लगता है कि बाहर और भीतर का भेद ही मिट गया है और जो कुछ भी हो रहा है, वह अपने आप हो रहा है और आप उसका आनंद ले रहे होते हैं। अगर आप कृष्ण और यशोदा का संवाद दिखा रहे हैं तो आप ही कृष्ण, आप ही यशोदा हो जाते हैं। यह बहुत गहरा आनंद होता है। यह वह पल होता है, जहां कला साधना और अध्यात्म, तीनों एक हो जाते हैं। नृत्य शरीर का संतुलन अभ्यास भी है। इसमें स्ट्रेंथ और स्टेमिना बढ़ता है। नृत्य की मुद्राएं शरीर में एक संतुलन उत्पन्न करती हैं और धीरे-धीरे यही संतुलन आपके जीवन जीने के तरीके और व्यवहार में भी आता है। जब आप नियमित रूप से नृत्य करते हैं तो एकाग्रता अपने आप बढ़ने लगती है। मन स्थिर हो जाता है। जीवन में तनाव भी कम होने लगता है। मेरा मानना है कि कला इंसान को सकारात्मक बनाती है। जब आप संगीत के साथ थोड़ी देर लय ताल में थिरकते हैं तो आपकी ऊर्जा अपने आप बदलने लगती है। *

मोबाइल स्क्रीन पर सिमटता सिनेमा
माइक्रो-सीरीज का चढ़ता सूरज!

न्यू ट्रेंड
गौरव द्विवेदी

फिल्म, टीवी सीरियल, वेब-सीरीज और शॉर्ट फिल्म्स के बाद अब माइक्रो-सीरीज का ट्रेंड तेजी से पॉपुलर हो रहा है। इसके पॉपुलर होने की क्या वजहें हैं। यह किस तरह से एंटरटेनमेंट स्टाइल को पूरी तरह बदल रहा है, इस पर एक नजर।

भारत में मनोरंजन की दुनिया एक दिलचस्प मोड़ पर है। सिनेमा अब बड़े पर्दे से निकलकर मोबाइल स्क्रीन में सिमट रहा है। इस बदलाव का सबसे बड़ा चेहरा है माइक्रो-सीरीज और वर्टिकल वीडियो। यह केवल एक ट्रेंड नहीं, बल्कि एक वैश्विक बदलाव है। अनुमान है कि 2025 तक दुनिया के कुल इंटरनेट ट्रैफिक का लगभग 82% वीडियो कंटेंट का रहा, जिसमें शॉर्ट, वर्टिकल वीडियो का दबदबा सबसे ज्यादा था।

बढ़ रहा शॉर्ट वीडियो मार्केटः इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स ने देखने की आदत को पूरी तरह बदल दिया है। अब दर्शक 'देखता' नहीं, बल्कि 'स्क्रॉल' करता है, और हर स्क्रॉल में कहानी फिट होनी चाहिए। भारत में इस बदलाव की गति और भी तेज है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में 100 मिलियन (10 करोड़) से अधिक दर्शक पहले ही माइक्रो-ड्रामा कंटेंट देख रहे हैं। यानी यह अब मनोरंजन की मुख्यधारा बन चुका है। वैश्विक स्तर पर शॉर्ट वीडियो मार्केट का आकार 2026 में लगभग 59 अरब डॉलर आंका जा रहा है, जो 2033 तक बढ़कर 118 अरब डॉलर से ज्यादा का हो सकता है। सिर्फ वर्टिकल वीडियो सेगमेंट ही 2025 में लगभग 67% हिस्सेदारी तक पहुंच चुका है, जो इस फॉर्मेट की ताकत को दर्शाता है।

घरेलू प्लेटफॉर्म्स की बड़ी भूमिकाः भारत में इस उभार के पीछे घरेलू प्लेटफॉर्म्स की बड़ी भूमिका है। 'कुकु टीवी' जैसे प्लेटफॉर्म ने वर्टिकल माइक्रो-ड्रामा को एक नई पहचान दी है। इसके 1.2 करोड़ (12.7 मिलियन) से अधिक डाउनलोड्स हो चुके हैं, जबकि इसके ऑडियो प्लेटफॉर्म 'कुकु एफएम' ने 1 करोड़ से अधिक पेड सब्सक्राइबर्स का आंकड़ा पार कर लिया है। इसी तरह 'मोज' और 'जोश' जैसे भारतीय शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म्स ने मिलकर 300 मिलियन (30 करोड़) से अधिक यूजर इकोसिस्टम तैयार कर लिया है। नई श्रेणी के प्लेटफॉर्म जैसे 'क्विक टीवी', 'टुकटुकी', 'कटिंग' भी 2–5 मिनट के एपिसोड्स के साथ तेजी से उभर रहे हैं, और कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार हाल के महीनों में ही 150 मिलियन व्यूअर्स ने माइक्रो-सीरीज कंटेंट देखा, जबकि रोजाना एपिसोड व्यूज 100 मिलियन तक पहुंच गए।

अन्य देशों में भी बढ़ रही पॉपुलैरिटीः चीन इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां 'डुआंजू' (माइक्रो ड्रामा) इंडस्ट्री तेजी से एक समानांतर फिल्म उद्योग बन चुकी है। वहीं अमेरिका में भी 'ड्रामा बॉक्स' जैसे प्लेटफॉर्म्स करोड़ों यूजर्स के साथ पारंपरिक ओटीटी को चुनौती दे रहे हैं। इतना ही नहीं, यू-ट्यूब शॉर्ट्स पर रोजाना दो सौ अरब व्यूज तक का आंकड़ा सामने आता है, जो इस बदलाव की गति को दर्शाता है।

तेजी से बढ़ रहा ट्रेंडः भारत में यह ट्रेंड और तेजी से बढ़ रहा है। सस्ते डेटा, 5जी और स्मार्टफोन के प्रसार ने इसे जन-आंदोलन बना दिया है। टियर-2 और टियर-3 शहरों में युवा दर्शक अब माइक्रो-सीरीज को न केवल देख रहे हैं, बल्कि बना भी रहे हैं। आर्थिक दृष्टि से भी यह मॉडल बेहद आकर्षक है। जहां एक

पारंपरिक टीवी शो के एक एपिसोड पर करोड़ों रुपए खर्च होते हैं, वहीं एक वर्टिकल सीरीज का पूरा सीजन कुछ लाख में बन सकता है। हालांकि, इस तेजी के साथ कुछ खतरे भी हैं। जैसे-कहानियों की गहराई कम हो रही है और एल्गोरिदम यह तय कर रहा है कि क्या चलेगा? फिर भी, यह मानना होगा कि यह बदलाव अस्थायी नहीं है। यह भारतीय मनोरंजन उद्योग के नए ढांचे की नींव है। आने वाले समय में बड़ी फिल्में और वेब-सीरीज पहले माइक्रो-फॉर्मेट में अपनी लोकप्रियता साबित करेंगी। अब सिनेमा देखा नहीं जाता, स्क्रॉल किया जाता है। और जो स्क्रॉल में फिट हो जाए, वही नया सिनेमा है। *

(लेखक फिल्म पॉलिसी के जानकार हैं)

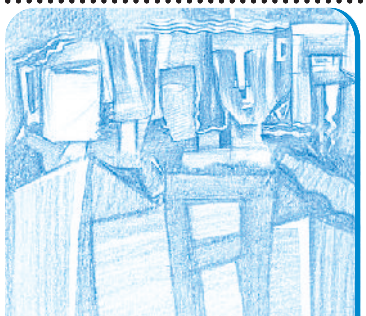

गीत / कृष्णा बिहारी

सबकी अपनी सीमाएं हैं

कोई साथ कहां तक देगा
सबकी अपनी सीमाएं हैं,
हर कोई रीता-रीता है
कहने को सभी अघाए हैं।
अतृप्त जिंदगी छूंछी-सी
ऊपर से दिखती सजी-धजी
गर पास बुलाकर बैठा लो
तो लगती कितनी बुझी-बुझी
भ्रम के साए में सभी यहां
मुरदा पहचान बनाए हैं।
पेट काट जो तन ढंकती थी
वही भरे पेट अब नंगी है
नाच-नाचकर कहे सभ्यता
दुनिया यह रंग-बिरंगी है
रंग-रोगन से पुते हुए सब
भीतर-भीतर मुरझाए हैं।
जब देह में मन अनुपस्थित हो
औ' रूप जिए केवल पीड़ा
मेले में भी तनहाई हो
औ' प्राण हीन हो हर क्रीड़ा
तो बात समझनी क्या मुश्किल
अपनों से भेद छिपाए हैं।
कोई साथ कहां तक देगा
सबकी अपनी सीमाएं हैं।

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

शातिर अंतरात्मा गब्बर की

गब्बर की अंतरात्मा ने झकझोरते हुए कहा, 'तू स्वभाव से डकैत है, डकैत ही रहेगा। इसलिए स्थान-परिवर्तन कर ले और अपने कर्म-परिवर्तन को यथावत बना रहने दे। चल, सम्मानित जिंदगी जीने की राह पकड़ ले!'

जब वही धंधा शहर में रह कर भी किया जा सकता है, तो बीहड़ में छिपकर क्यों रहा जाए?' एक रोज गब्बर की शातिर अंतरात्मा से आवाज आई, 'रे मूर्ख, परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है। तू देखता ही होगा कि राजनेता आए दिन अपनी दलीय निष्ठाएं बदलते रहते हैं। बयानवीर अपने बयान बदल लेते हैं। सरकार में मंत्रियों के विभाग बदल जाते हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले होते रहते हैं। जिनका स्थानांतरण किया जाता है, वे जब दूसरी जगहों पर तैनाती पाते हैं तो क्या उनके गुण-धर्म बदल जाते हैं? भ्रष्टाचारी को कहीं भी भेज दो, वह भ्रष्टाचारी ही रहेगा। उसे सदाचारियों की भीड़ के बीच बैठा दो, तब भी वह स्वयं तो सुधरेगा नहीं, वहां के लोगों को अपने जैसा जरूर बना लेगा। यह काम तो तू भी कर सकता है। तू स्वभाव से डकैत है, डकैत ही रहेगा। इसलिए स्थान-परिवर्तन कर ले और अपने कर्म-परिवर्तन को यथावत बना रहने दे। चल, सम्मानित जिंदगी जीने की राह पकड़ ले!'

जब गब्बर की अंतरात्मा से यह आवाज बार-बार उठने लग गई, तब उसने एक शाम अपने गैंग के सदस्यों का एक पैनल बनाया और स्वयं एंकर की भूमिका में रहते हुए एक धुआंधार बहस की। एक बहसबाज दस्यु ने कहा, 'डकैती डालना घृणित कार्य है। अब हमें वैकल्पिक रोजगार की तलाश करनी चाहिए।' यह सुनकर दूसरे दुर्दांत बहसबाज ने घोर आपत्ति की, 'तुम बकवास कर रहे हो। डकैती तो हमारा पवित्र धर्म है। कोई हमारे धर्म को लेकर ऐसी बात कहेगा, तो मैं उसका सिर कलम कर दूंगा।' तीसरे बहसबाज डकैत ने कहा, 'अब डकैती के धंधे में पहले जैसी बरकत नहीं रही। मैं कल सरदार के आदेश पर एक गांव में गया था। वहां पर पहले हमारे जाते ही लोग अपने घरों से अनाज की बोरियां लाकर हमारे चरणों में धर दिया करते थे। इस बार मुझे पता चला कि सभी लोग खुद खाली थैले लेकर पांच किलो अनाज पाने के लिए सरकारी गल्ले की दुकानों पर गए हुए थे।' चौथे बहसबाज डाकू ने कहा, 'सरदार, अब आप ही बताइए, आपका निर्णय ही हमें दिशा दिखला सकता है।'

गब्बर ने बहस का समापन करते हुए कहा, 'मैंने तुम सबकी बातें ध्यानपूर्वक सुनी हैं और इस निर्णय पर पहुंचा हूं कि हमें अपना यह डकैती वाला धंधा छोड़ देना चाहिए और दूसरे वैकल्पिक रास्ते तलाशने चाहिए। हम इस घटाटोप जंगल में अड्डे बदलते-बदलते आजिज आ चुके हैं। ऊपर से हमेशा पुलिस का डर बना रहता है। साथ में मुखबिरी के खतरे तो हैं ही। क्या पता, अपने ही गैंग का कौन बंदा कब दगा दे जाए और हम सब एक दिन किसी एनकाउंटर में मार दिए जाएं! क्यों कालिया?' तब कालिया कहने लगा, 'सरदार, मैंने आपका नमक खाया है। घोर महंगाई में आपने हमें नीबू भी खिलाए हैं। आपकी कृपा बनी रहेगी तो हम आपके फार्म हाउस में बैठकर कल पिज्जा-बर्गर भी खाएंगे। वैसे भी यह कोई हमारा पुश्तैनी धंधा तो है नहीं कि इसे छोड़ देने में डकैतों की बिरादरी में हमारी नाक कट जाएगी। हम बीहड़ की जगह शहर में रहकर भी वहां के सम्मानित डकैतों जैसी शानदार जिंदगी जी सकते हैं।' उन सभी की बातें सुनकर गब्बर ने खैनी मलते हुए पूछा, 'अरे ओ सांभा, तू क्यों चुप है? तू भी तो बता कि हमें क्या करना चाहिए?' सांभा बोला, 'सरदार, आपने जो फैसला लिया है, वही सही है।'

इसके बाद उस इलाके में अपने बर्बर आतंक के चलते कुख्यात हो चुका गब्बर अब एक शरीफ डकैत बन चुका है। यूं भी कुख्यात और विख्यात होने में कोई खास अंतर नहीं होता है। मात्र जंगल और नगर का फर्क होता है। तो गब्बर और उसका गैंग अब सम्मानित डकैत बन चुके हैं। अब उस पर सरकारें इनाम नहीं घोषित करतीं हैं। अब वह खुद सरकारों को मदद-इमदाद करता है। अब पुलिस भी उसे ठोकने की फिराक में नहीं रहती, अलबत्ता वह उसे ही सलाम ठोंकती है। लेकिन कल गब्बर के साथ एक बुरी बात हो गई। उसके घर पर सीबीआई और ईडी का छापा पड़ गया। उसकी हवेली पर बुलडोजर चल गया। गब्बर अपने पूरे गैंग के साथ जेल में है और अपनी शातिर अंतरात्मा को तलाश रहा है। वह मिल जाए तो उसे गोली मार देगा। लेकिन गब्बर यह बात नहीं जानता है कि उसकी अंतरात्मा तो डकैती के धंधे में आते ही मर चुकी थी। यह उसका आंतरिक भय था, जिसको वह गलती से अपनी शातिर अंतरात्मा समझ बैठा था। *

पुस्तक चर्चा / कुलदीप सिंह भाटी

ग्लैमर की दुनिया का किस्सा

कथा साहित्य में किस्सागोई का एक विशिष्ट स्थान रहा है। कारण इसका यह है कि किस्सागोई में बात से बात निकलती चली जाती है। इस तरह इसमें रोचकता के साथ ही साथ जिज्ञासा भी बनी रहती है। वरिष्ठ कथाकार और शायर हबीब कैफी का नया उपन्यास 'काला, धौला और रंगीन' इसी किस्सागोई शैली में लिखा गया एक उम्दा उपन्यास है। इस कथा की मुख्य पात्र पलक है। फिल्मी दुनिया की यह सफल अभिनेत्री, जब एक साहित्यकार के आगे खुलने लगती है तो प्रायः बंद ही रहने वाली यह स्त्री जिंदगी की कई परतें खोलती चली जाती है। पता चलता है कि एक नामी राजघराने से ताल्लुक रखने वाली यह अभिनेत्री अपने क्षेत्र, फिल्मी दुनिया के साथ ही साहित्य, कला और संगीत आदि से भी बड़ी हद तक लगाव और जुड़ाव रखती है। संवेदनशील अभिनेत्री पलक इस बीच सहज ही अपनी जिंदगी की परतें भी खोलती चली जाती है तो पता चलता है कि एक्स्ट्रा जूनियर आर्टिस्ट से नामी अभिनेता बने, समीर से यह गहरे प्रेम में है। मानवीय गुणों से संपन्न नैसर्गिक अभिनेता समीर मस्त मौला स्वभाव के कारण पलक के प्रेम का ठीक-ठीक जवाब नहीं दे पाता। समय अपनी गति से गुजरता जाता है और एक दिन अचानक ही समीर दुनिया छोड़ जाता है। उपन्यास के अंत में पाठक पलक की सच्ची और गहरी मोहब्बत महसूस करते हैं तो उनका दिल भी भर आता है।

लगभग अपठनीयता के इस दौर में यह उपन्यास न केवल स्वयं को पढ़वा ले जाता है, अपितु एक गहरी कसक भी पाठक के मन में छोड़ जाता है। उपन्यास के भाषा की रवानगी भी इसकी पठनीयता को बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाती है। *

पुस्तकः काला, धौला और रंगीन (उपन्यास), **लेखकः** हबीब कैफी, **मूल्यः** 299 रुपए, **प्रकाशकः** कौटिल्य बुक्स, दिल्ली

लघुकथा / शीला श्रीवास्तव

एहसास

सड़क पर दूर से ही पुलिस वालों की चेकिंग होती देख कमलेश ने अपनी मोटरसाइकिल वापस घुमा ली। 'क्या हुआ, गाड़ी क्यों वापस घुमा रहे हो?' पीछे बैठे दोस्त ने पूछा। 'आगे चेकिंग चल रही है। इन पुलिस वालों को कोई काम धंधा है नहीं। जब देखो चौराहे पर खड़े होकर चेकिंग करना शुरू कर देते हैं। हेलमेट क्यों नहीं पहना? लाइसेंस कहां है? बिना नंबर की गाड़ी कैसे चला रहे हो? ढेरों सवाल पूछने लगते हैं। उनको तो बस लोगों को तंग करना होता है और कुछ नहीं।' कमलेश झुंझलाते हुए बोला। 'ऐसा क्यों बोल रहे हो? वो तो बेचारे अपनी ड्यूटी करते हैं।' दोस्त ने कमलेश को समझाने की कोशिश की। 'अरे, काहे की ड्यूटी! इनको तो बस अपनी जेब भरनी होती है और कुछ नहीं।' कमलेश खीझ भरे स्वर में बोला।

इस घटना के कुछ दिनों बाद कमलेश के बेटे का एक्सीडेंट हो गया। बिना नंबर वाली गाड़ी चला रहे किसी टेंपो ड्राइवर ने पीछे से उनके बेटे की बाइक पर जोरदार टक्कर मार दी थी। हेलमेट न पहनने की वजह से उनके बेटे के सिर पर गंभीर चोट लग गई थी। 'ये पुलिस वाले आखिर करते क्या हैं? बिना लाइसेंस, नंबर वाले अवैध वाहनों के खिलाफ, चेकिंग करके उन पर नियंत्रण क्यों नहीं करते?' कमलेश की पत्नी बिलखते हुए अपने पति से पूछ रही थी। आज कमलेश को अपनी उस दिन की गलती का एहसास हुआ। अब उसे पुलिस वालों की चेकिंग का महत्व समझ में आ गया था। *

केरल के सबसे प्रसिद्ध धार्मिक-सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है एथडुआ पेरुनल उत्सव। केरल के लोकजीवन से जुड़े इस पर्व के प्रति कुछ अन्य राज्यों एवं विदेशी पर्यटकों के बीच भी काफी लगाव है। इस उत्सव से जुड़ी कुछ अनोखी-रोचक बातें आप जरूर जानना चाहेंगे।

सांस्कृतिक उत्सव
धीरज बसाक

धर्म-संस्कृति-सामाजिक समरसता का संदेश देता एडथुआ पेरुनल उत्सव

केरल की सांस्कृतिक पहचान सिर्फ इसके मंदिरों और पारंपरिक उत्सवों तक सीमित नहीं है। यहां के ईसाई समुदाय के पर्व भी उतने ही भव्य और जीवंत हैं तथा लोकजीवन से जुड़े हुए हैं। इन्हीं में से एक एडथुआ पेरुनल उत्सव है, जो मुख्यतः सेंट जॉर्ज को समर्पित है। इसे केवल केरल के महत्वपूर्ण ईसाई धार्मिक आयोजनों में ही नहीं गिना जाता बल्कि यह दूसरे दक्षिणी राज्यों के ईसाई समुदायों के साथ-साथ दुनिया भर के सांस्कृतिक पर्यटकों के लिए भी महत्वपूर्ण आयोजन है। एडथुआ पेरुनल उत्सव हर साल अप्रैल के अंत से मई की शुरुआत तक लगभग 10 दिनों तक मनाया जाता है। इस साल यह 27 अप्रैल से 7 मई 2026 तक मनाया जाएगा।

हर दिन अलग-अलग आयोजन: इस उत्सव के दौरान चर्च परिसर और उसके आस-पास के पूरे क्षेत्र में एक विशाल मेले का आयोजन होता है। हजारों श्रद्धालु आस्था और श्रद्धा से इस उत्सव में भाग लेते हैं। बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक पर्यटक भी इसका हिस्सा बनने के लिए देश-विदेश से आते हैं। उत्सव की शुरुआत विशेष प्रार्थनाओं और ध्वजारोहण से होती है। इसके बाद हर दिन अलग-अलग धार्मिक अनुष्ठान, जुलूस और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। अंतिम दिन का जुलूस या प्रोसेशन सबसे भव्य होता है, जिसमें सेंट जॉर्ज की प्रतिमा को सुसज्जित रथ पर निकालकर पूरे गांव में घुमाया जाता है। इस उत्सव के दौरान एक तरफ प्राचीन अनुष्ठान होते हैं, वहीं दूसरी ओर आधुनिक व्यवस्थाएं भी आयोजन का हिस्सा होती हैं।

आस्था एवं सामूहिक विश्वास का संगम: एडथुआ पेरुनल का धार्मिक महत्व भी खूब है, क्योंकि सेंट जॉर्ज के प्रति लोगों में बहुत श्रद्धा है। श्रद्धालुओं के मुताबिक इस उत्सव में भाग लेने से उनकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। विशेषकर बीमारियों और मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलती है। इस उत्सव में हिस्सा लेने आए लोग अपनी तरह-तरह की मन्नतें मांगते हैं और उनके पूरे होने पर सेंट जॉर्ज को धन्यवाद देने के लिए बार-बार इस उत्सव में शामिल होने का संकल्प लेते हैं। इसलिए यह पारंपरिक आयोजन व्यक्तिगत आस्था और सामूहिक विश्वास का भी संगम बन जाता है।

केरल की सांस्कृतिक विशिष्टता का दर्शन: एडथुआ पेरुनल, धार्मिक के साथ-साथ एक सांस्कृतिक उत्सव भी है, इसलिए यह केरल की सार्वभौमिक सह-अस्तित्व की भावना को दर्शाता है। इसमें दूसरे कई उत्सवों की तरह सजे-धजे हाथियों के साथ जुलूस निकाला जाता है, जो केरल के विशिष्ट उत्सवों की सबसे खास पहचान है। लोग पारंपरिक संगीत और लोकनृत्य का लुत्फ उठाते हैं। स्थानीय बैंड, चर्च संगीत और लोकनृत्य इस उत्सव को विशिष्टता प्रदान करते हैं। इस उत्सव के दौरान रात के समय भव्य आतिशबाजी के नजारे भी देखने को मिलते हैं, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

आर्थिक दृष्टि से भी है महत्वपूर्ण: इस उत्सव का स्थानीय अर्थव्यवस्था के साथ भी एक बेहद गहरा और सकारात्मक रिश्ता है। उत्सव के दौरान अलग-अलग राज्यों एवं विदेशों से आए पर्यटक यहां की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान देते हैं। अलग-अलग आजीविकाओं से जुड़े लोगों को उत्सव के दौरान रोजगार प्राप्त होता है या विशेष आय प्राप्त होती है।

विविधता में एकता का संदेश: एडथुआ पेरुनल उत्सव की एक अनोखी विशेषता इसकी सामाजिक समरसता है। यह उत्सव धार्मिक सीमाओं से परे जाकर लोगों को आपस में जोड़ता है, विभिन्न धर्मों और समुदायों के लोग मिलकर उत्सव मनाते हैं। ऐसे में यह एकता में विविधता का जीवंत उदाहरण बन जाता है। यह उत्सव इस बात को भी दर्शाता है कि बहुरंगी भारतीय संस्कृति में गहरा साझा भाव भी है। केरल जैसे राज्य में जहां साक्षरता और सामाजिक जागरूकता उच्च स्तर पर है, ऐसे आयोजन समाज को अधिक मजबूत बनाते हैं। आज के समय में जब समाज में विभाजन और तनाव की खबरें अकसर आती रहती हैं, एडथुआ पेरुनल जैसे उत्सव हमें सकारात्मक संदेश देते हैं। यह उत्सव सिखाता है कि धर्म और संस्कृति लोगों को जोड़ने का माध्यम हो सकते हैं, न कि उन्हें एक-दूसरे से अलग करने का।

कुल मिलाकर एडथुआ पेरुनल उत्सव सिर्फ धार्मिक भाव का पर्व नहीं है, यह आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता का जीवंत प्रतीक है। यह उत्सव केरल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है, जिसमें विभिन्न धर्मों और परंपराओं का सुंदर संगम देखने को मिलता है। एडथुआ पेरुनल उत्सव श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है, वहीं यह भारतीय संस्कृति की उस व्यापक सोच का भी प्रतिनिधित्व करता है, जो विविधता में एकता को सबसे बड़ा मूल्य मानती है। *

एडथुआ पेरुनल उत्सव की प्रमुख विशेषताएं

- यह अलप्पुझा (केरल) के एडथुआ गांव में मनाया जाता है और इसका मुख्य स्थल सेंट जॉर्ज फॉरेन चर्च है।
- यह हर साल 10 दिनों तक अप्रैल के अंत और मई की शुरुआत में मनाया जाता है।
- सेंट जॉर्ज को समर्पित इस सांस्कृतिक उत्सव की सबसे खास विशेषता है, इसका भव्य धार्मिक जुलूस। इस जुलूस में सजे-धजे हाथियों की परेड देखने को मिलती है, साथ ही इस दौरान पारंपरिक संगीत और नृत्य की छटा बिखरती है तथा आतिशबाजी का भी खूब रंग-बिरंगा उत्सव देखने को मिलता है।
- इसमें विभिन्न धर्मों की भागीदारी होती है, इसमें हिस्सा लेने वाले लोगों का एक बड़ा तबका ऐसे आस्थावान लोगों का होता है, जो अपनी असाध्य बीमारियों से मुक्ति पाने की इच्छा से यहां आते हैं और बीमारियों से मुक्ति पाने के लिए मन्नतें मांगते हैं।

मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान मेरे मरीजों की मुस्कान है

प्रेरक व्यक्तित्व
डॉ. पुरुषोत्तम लाल

पंजाब के मोगा जिले के एक छोटे से गांव से ताल्लुक रखने वाले डॉक्टर पुरुषोत्तम लाल का शुरुआती जीवन बहुत संघर्षपूर्ण रहा। लेकिन अपने अथक परिश्रम और समाज के लिए कुछ करने के संकल्प के चलते मेडिकल क्षेत्र में उन्होंने अद्वितीय मुकाम हासिल किया। डॉक्टर पुरुषोत्तम भारत में इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के फादर कहे जाते हैं। वह देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से विभूषित हैं। डॉ. पुरुषोत्तम लाल के प्रेरक जीवन का सफर उन्हीं की जुबानी।

आसान नहीं था आरंभिक जीवन: मेरा बचपन बहुत संघर्षपूर्ण था। हमारा पूरा ध्यान बस इस बात पर होता था कि घर कैसे चले और पढ़ाई कैसे पूरी हो? हम सभी भाई एक ही लैंप की हल्की रोशनी में पढ़ते थे, जिसकी चिमनी भी टूटी हुई होती थी। लेकिन मेरे अंदर कहीं एक आग जरूर थी, कुछ अलग करने की चाह। मन में यही ख्याल आता था कि जिंदगी में कुछ ऐसा करना है, जिससे अपने परिवार का जीवन बदल सकूं और समाज के लिए भी कुछ कर सकूं। उन्हीं कठिन परिस्थितियों में पले छोटे-छोटे सपने ही मेरी सबसे बड़ी ताकत बने और मुझे इस मुकाम तक लेकर आए।

परिश्रम से पाया मनचाहा मुकाम: मेरा पूरा सफर संघर्ष और मेहनत से भरा रहा है। अपनी लगन और समर्पण के दम पर मैंने नेशनल मेरिट स्कॉलरशिप हासिल की, जो मेरे लिए एक नई उम्मीद लेकर आई। इसी के सहारे मैं अमृतसर मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए पहुंचा। वहां भी दिन-रात मेहनत करता रहा और हर चुनौती को एक अवसर की तरह लिया। वर्ष 1975 में अपनी क्लास में टॉप किया। डॉक्टर बनने के बाद मैंने इसे केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम माना। इसके बाद आगे की पढ़ाई के लिए अमेरिका गया, जहां कार्डियोलॉजी में उच्च प्रशिक्षण लिया। वहां के प्रतिष्ठित संस्थानों में काम करते हुए मैंने बहुत कुछ सीखा, खुद को निखारा।

जन सेवा के लिए देश लौट आया: अमेरिका में मुझे बहुत कुछ मिला, बेहतर सुविधाएं, सम्मान और सीखने के अनगिनत अवसर। लेकिन दिल के किसी कोने में हमेशा एक खालीपन था। जब मैं भारत आता और यहां के मरीजों की हालत देखता, खासकर वे लोग जो पैसों की कमी के कारण इलाज नहीं करा पाते, तो मन बहुत व्यथित हो जाता था। मुझे लगता था कि मेरी असली जरूरत यहां है, अपने देश में है। इसलिए एक दिन मैंने तय किया कि अब वापस अपने देश लौटना है।

मेट्रो हॉस्पिटल्स की शुरुआत: मेरी सोच हमेशा से बहुत मानवीय रही है। तभी मैंने ठान लिया कि एक ऐसा अस्पताल बनाऊंगा, जहां इलाज की गुणवत्ता विश्वस्तरीय हो, लेकिन वह आम आदमी की पहुंच से बाहर न हो। मेट्रो हॉस्पिटल्स की शुरुआत इसी सोच और भावना के साथ हुई, सेवा, संवेदना और सुलभ इलाज के उद्देश्य से।

इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी में योगदान: मैंने हमेशा कोशिश की कि मरीज को कम से कम तकलीफ हो और इलाज ज्यादा सुरक्षित और प्रभावी हो। अगर बिना बड़ी सर्जरी के किसी की जान बचाई जा सके, तो इससे बड़ी खुशी क्या हो सकती है। जब मैं देखता हूं कि जिन तकनीकों को हमने अपनाया और आगे बढ़ाया, वे आज हजारों लोगों की जिंदगी आसान बना रही हैं, तो दिल को सुकून मिलता है।

मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान: पद्म भूषण, पद्म विभूषण जैसे सम्मान मिलना निश्चित रूप से गर्व की बात है। लेकिन अगर दिल से कहूं, तो मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान मेरे मरीजों की मुस्कान है। जब कोई मरीज स्वस्थ होकर अपने परिवार के पास लौटता है और आंखों में खुशी के आंसू लेकर धन्यवाद देता है, तो वह किसी भी पुरस्कार से कहीं ज्यादा अनमोल होता है।

युवा डॉक्टरों को संदेश: मैं युवाओं से यही कहना चाहूंगा कि डॉक्टर बनना सिर्फ एक करियर नहीं, बल्कि एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। मरीज आपके पास उम्मीद और विश्वास लेकर आता है। इसलिए हमेशा सीखते रहें, खुद को अपडेट रखें और ईमानदारी से काम करें। सबसे जरूरी बात, अपने अंदर इंसानियत और संवेदनशीलता को जिंदा रखें। तकनीक और ज्ञान आपको एक अच्छा डॉक्टर बना सकते हैं, लेकिन आपकी संवेदना ही आपको महान डॉक्टर बनाती है।

सफलता के मायने: मेरे लिए सफलता का मतलब सिर्फ नाम, प्रसिद्धि या पुरस्कार नहीं है। असली सफलता तब होती है, जब आप किसी की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव ला सकें। यही सच्ची सफलता है, जो दिल को संतोष देती है। *

प्रस्तुतिः हरिभूमि फीचर्स

दुनिया भर में प्रचलित अलग-अलग नृत्य कलाओं के महत्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 29 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करते विभिन्न प्रदेशों के प्रमुख लोकनृत्यों के बारे में जानिए।

सांस्कृतिक विविधता के प्रतीक विभिन्न प्रदेशों के लोकनृत्य

असम का लोकनृत्य-बिहू

हिमाचल प्रदेश का लोकनृत्य-नाटी

परंपरा
शिखर चंद जैन

भारत विविधताओं का देश है। यहां की यह विविधता सिर्फ भाषा, खान-पान या रहन-सहन तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां के लोक नृत्यों में भी रची-बसी है। लोक नृत्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि आम जनमानस के उल्लास, उनकी धार्मिक आस्था और ऋतुओं के चक्र का जीवंत उत्सव भी होते हैं।

बिहू (असम): असमिया नववर्ष (रंगाली बिहू) के अवसर पर किया जाने वाला यह नृत्य अपनी तेज गति और हाथों के संचालन के लिए प्रसिद्ध है। यह नृत्य हाथों के फुर्तीले संचालन और पारंपरिक 'मेखला चादर' वेशभूषा के लिए भी जाना जाता है। यह नृत्य नई फसल तैयार होने की खुशी और प्रकृति के प्रति आभार ज्ञापन करने का प्रतीक भी होता है।

नाटी (हिमाचल प्रदेश): हिमाचल का सबसे लोकप्रिय लोक नृत्य 'नाटी' कुल्लू और शिमला क्षेत्रों में बड़े उत्सवों के दौरान सामूहिक रूप से किया जाता है। सैकड़ों लोग एक-दूसरे का हाथ पकड़कर लंबी श्रृंखला बनाते हैं और स्थानीय वाद्ययंत्रों की धुन पर कदम से कदम मिलाकर झूमते हैं। इसने 'सबसे बड़े लोक नृत्य' के रूप में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी अपना नाम दर्ज कराया है।

भांगड़ा (पंजाब): पंजाब की मिट्टी की खुशबू और किसानों के उल्लास का प्रतीक है भांगड़ा लोकनृत्य। मुख्य रूप से बैसाखी के पर्व और फसल कटाई के समय किया जाने वाला यह नृत्य अपनी ऊर्जा के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। ढोल की थाप पर रंगीन पगड़ी और लुंगी पहने गबरू जब 'बल्ले-बल्ले' कहते हुए थिरकते हैं, तो दर्शकों के पैर भी अपने आप थिरकने लगते हैं।

पंजाब का लोकनृत्य-भांगड़ा

रासलीला (उत्तर प्रदेश): ब्रज क्षेत्र का यह प्रसिद्ध नृत्य भगवान कृष्ण और राधा के प्रेम और उनकी लीलाओं पर आधारित है। ब्रज की धरती मथुरा-वृंदावन से उपजी 'रासलीला' भगवान श्री कृष्ण और गोपियों के दिव्य प्रेम की कहानी है। इसमें नर्तक अपनी भाव-भंगिमाओं से कृष्ण की बाल लीलाओं और रास को प्रदर्शित करते हैं, जो दर्शकों को सीधे भक्ति की दुनिया में ले जाता है।

घूमर (राजस्थान): राजपूताना आन-बान और शान का प्रतीक 'घूमर' को 'राजस्थान की आत्मा' कहा जाता है। अपनी शालीनता और भव्यता के लिए जाना जाने वाला यह नृत्य, भील जनजाति से आरंभ हुआ और बाद में राजपूताना घरानों की पहचान बना। इसमें महिलाएं बड़े घेरे वाले घाघरा पहनकर गोल-गोल घूमती हैं, जिससे एक सुंदर घेरा बनता है। इसकी धीमी लय और हाथ के सधे हुए संचालन इसे बेहद आकर्षक बनाते हैं।

महाराष्ट्र का लोकनृत्य-लावणी

लावणी (महाराष्ट्र): महाराष्ट्र की कला परंपरा का गौरव 'लावणी' पारंपरिक नृत्य है, जो अपनी लयबद्ध ताल और ढोलकी की थाप के साथ किया जाता है। इसमें महिलाएं नौवारी साड़ी पहनती हैं। नौवारी 9 गज की साड़ी होती है। इस नृत्य के दौरान गाए जाने वाले गीत अकसर समाज, राजनीति और प्रेम पर आधारित होते हैं।

कर्नाटक का लोकनृत्य-यक्षगान

यक्षगान (कर्नाटक): दक्षिण भारत का 'यक्षगान' एक प्राचीन और जटिल नृत्य कला है। यह केवल नृत्य नहीं, बल्कि एक संपूर्ण नाटक है, जिसमें भारी वेशभूषा, चेहरे पर चटकीला श्रृंगार और संवादों का प्रयोग होता है। इसकी कहानियां मुख्य रूप से हिंदू महाकाव्यों पर आधारित होती हैं, जो रात भर खुले मैदानों में प्रदर्शित की जाती हैं। *

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल भारतीय नृत्य

भारत की कुछ लोकप्रिय नृत्य शैलियों को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में शामिल किया गया है। ये हैं-

गरबा (गुजरात): नवरात्रि के नौ दिनों में देवी दुर्गा की प्रतिमा या 'दीप गर्भ' के चारों ओर गोल घेरा बनाकर किया जाने वाला यह नृत्य शक्ति की उपासना का एक माध्यम एवं एकता का प्रतीक है। 'गरबा' के दौरान रंग-बिरंगी चनिया-चोली और कुर्तों में सजे लोग तालियों की लय पर जिस तरह समन्वय बिठाते हैं, वह अद्भुत होता है।

छऊ (झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल): यह एक अर्ध-शास्त्रीय मुखौटा नृत्य है, जिसमें मार्शल आर्ट, कलाबाजियां और लोक परंपराओं का मिश्रण होता है। इसमें रामायण और महाभारत जैसी पौराणिक कथाओं को नृत्य के माध्यम से जीवंत किया जाता है।

कालबेलिया (राजस्थान): राजस्थान के कालबेलिया समुदाय द्वारा किया जाने वाला यह नृत्य अपनी लचीली मुद्राओं के लिए जाना जाता है। काली रंग की कढ़ाई वाली पोशाक पहने महिलाएं बीन और ढफ की धुन पर नागिन की तरह लहराते हुए नृत्य करती हैं। इसकी गति इतनी तेज होती है कि देखने वाले अपनी पलकें झपकाना भूल जाते हैं।

बड़ा पर्दा
हेमंत पाल

दर्शकों को बांधे रखने में सफल रहीं बिना इंटरवल वाली ये फिल्में

वैसे तो दो-ढाई घंटे की फिल्म के बीच में कुछ मिनटों का ब्रेक यानी इंटरवल जरूर होता है। लेकिन बॉलीवुड में कुछ ऐसी फिल्में भी बनी हैं, जिनमें कोई इंटरवल ही नहीं था। बिना ब्रेक वाली ऐसी ही कुछ अलग तरह की फिल्मों पर एक नजर।

हर दौर में कुछ फिल्मकार ऐसे हुए हैं, जो फिल्मों के तयशुदा फॉर्मूले को चुनौती देते हुए नए प्रयोग करते हैं। बिना गाने वाली फिल्में, सीमित किरदारों पर आधारित फिल्म या एक ही रात में घटित होने वाली घटना पर आधारित फिल्म। ऐसे प्रयोग सिनेमा को नई दिशा देते हैं। इन्हीं में से एक खास प्रयोग रहा बिना इंटरवल की फिल्म, जिसमें दर्शकों को बिना रुके पूरी कहानी के साथ बांधकर रखा जाता है। हालांकि फिल्म में इंटरवल इसलिए रखा जाता है कि दर्शक बीच में थोड़ा रिलैक्स हो जाएं और उसकी कहानी को नए सिरे से एंज्वॉय करें। इंटरवल के बहाने फिल्म की कहानी में मोड़ लाने का मौका भी मिलता है। ऐसे में बिना ब्रेक की फिल्म दर्शकों को नए तरीके का अनुभव देती है।

इसलिए किए गए प्रयोग: भारतीय सिनेमा में इंटरवल सिर्फ दर्शकों को रिलैक्स करने का साधन नहीं, बल्कि एक व्यावसायिक व्यवस्था का भी हिस्सा रहा है। लेकिन कुछ निर्देशकों ने महसूस किया कि खासतौर पर सस्पेंस, थ्रिलर और यथार्थवादी फिल्मों में इंटरवल कहानी की गति को तोड़ देता है। ऐसे में अगर फिल्म की लंबाई सीमित रखी जाए और पटकथा कसावट भरी हो, तो बिना ब्रेक दर्शकों को अधिक प्रभावशाली अनुभव दिया जा सकता है। यही कारण है कि हिंदी फिल्म इतिहास में कुछ चुनिंदा फिल्में ऐसी बनीं, जिनमें इंटरवल नहीं रखा गया। वे फिल्में अपनी अलग पहचान बनाने में सफल रहीं।

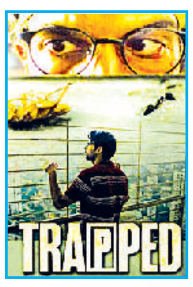

मर्डर मिस्ट्री 'इत्तेफाक': बिना इंटरवल के फिल्म बनाने की दिशा में सबसे चर्चित और शुरुआती प्रयोग 'इत्तेफाक' (1969) के रूप में सामने आया, जिसे यश चोपड़ा ने निर्देशित किया था। यह फिल्म अपने समय से काफी आगे की सोच का परिणाम थी। इस फिल्म में न तो कोई गीत था और न ही इंटरवल। कहानी एक मर्डर मिस्ट्री पर आधारित थी, जो अंग्रेजी नाटक 'साइनपोस्ट टू मर्डर' से प्रेरित थी। राजेश खन्ना ने इसमें एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभाई, जिस पर अपनी पत्नी की हत्या का आरोप होता है और वह पुलिस से बचने के लिए एक घर में शरण लेता है। उस घर की मालकिन, जिसकी भूमिका नंदा ने निभाई, खुद एक रहस्य छुपाए हुए होती है। फिल्म की कहानी इतनी तेज और रोचक ढंग से आगे बढ़ती है कि दर्शकों को इंटरवल की जरूरत महसूस ही नहीं होती। लगभग डेढ़ घंटे की इस फिल्म को कम समय में शूट किया था, लेकिन इसकी कहानी की कसावट और रोमांच ने इसे यादगार बना दिया।

सामाजिक यथार्थ को दर्शाती 'धोबी घाट': फिल्म 'धोबी घाट' का निर्देशन किरण राव ने किया था। इस फिल्म में आमिर खान मुख्य भूमिका में नजर आए, लेकिन यह पूरी तरह से स्टार-ड्रिवन फिल्म नहीं थी। यह मुंबई शहर के अलग-अलग सामाजिक और भावनात्मक स्तरों पर जी रहे चार लोगों की कहानी है। मोनिका डोगरा, प्रतीक बब्बर और कृति मल्होत्रा द्वारा निभाए गए किरदारों के जरिए फिल्म यह दिखाती है कि सपनों के शहर में हर व्यक्ति अपने-अपने संघर्षों और अधूरी इच्छाओं के साथ जी रहा है। फिल्म का स्वर बहुत ही यथार्थवादी और संवेदनशील है। इसकी सीमित अवधि और बिना इंटरवल के प्रस्तुतीकरण की वजह से दर्शक लगातार पात्रों की दुनिया में डूबे रहते हैं।

क्लॉस्ट्रोफोबिक अनुभव देती 'ट्रैप्ड': विक्रमादित्य मोटवानी द्वारा निर्देशित 'ट्रैप्ड' में राजकुमार राव ने एक ऐसे युवक की भूमिका निभाई है, जो मुंबई के एक सुनसान अपार्टमेंट में फंस जाता है। उसके पास न खाना है, न पानी, न बिजली और न बाहर निकलने का कोई आसान रास्ता। पूरी फिल्म उसी के संघर्ष, भय और जीवित रहने की कोशिशों के इर्द-गिर्द घूमती है। बिना इंटरवल के यह कहानी दर्शकों को उसकी स्थिति में बांध देती है और एक तरह का क्लॉस्ट्रोफोबिक अनुभव देती है। 'ट्रैप्ड' में राजकुमार राव के अभिनय और फिल्म के प्रयोगात्मक स्वरूप की काफी सराहना हुई।

ये फिल्में भी नहीं करतीं ब्रेक की डिमांड: बॉलीवुड में कुछ और फिल्में भी हैं, जिनमें इंटरवल का प्रभाव लगभग समाप्त कर दिया गया या जिन्हें बिना ब्रेक के देखने पर ही इसका असर अधिक महसूस होता है। 'ए वेडनेसडे' जैसी फिल्म अपनी तेज रफ्तार और सीमित समय अवधि के कारण बिना इंटरवल के अधिक प्रभावी लगती है। इसी तरह 'कौन' जिसे राम गोपाल वर्मा ने बनाया, भी सीमित किरदारों और एक ही लोकेशन में घटित होने वाली कहानी के कारण बिना ब्रेक ज्यादा असरदार अनुभव देती है।

आज कितना प्रासंगिक है फिल्मों में इंटरवल: आज जब ओटीटी प्लेटफॉर्म का दौर है और दर्शक बिना किसी व्यवधान के फिल्में देखते हैं, तब इंटरवल की अवधारणा पहले जितनी अनिवार्य नहीं रह गई। अब कहानी की मांग के अनुसार ही फिल्म की संरचना तय की जाती है। फिर भी सिनेमाघरों में इंटरवल का चलन पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ। क्योंकि यह फिल्म प्रदर्शन की परंपरा और व्यवसाय से भी जुड़ा हुआ है। बिना इंटरवल की फिल्में यह साबित करती हैं कि अगर कहानी में दम हो और प्रस्तुति में कसावट हो, तो दर्शकों को बिना किसी ब्रेक के भी पूरी तरह बांधकर रखा जा सकता है। यह प्रयोग भले कम किया गया हो, लेकिन जब भी किया गया, उसने सिनेमा को एक नई दृष्टि दी और यह दिखाया कि कहानी कहने के तरीके हमेशा बदल सकते हैं। *